बर्षः- 05
अंकः- 322
मुरादाबाद
(Wednesday)
18 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
# क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## हम चमड़ा उतारना भी जानते हैं और उसका जूता बनाकर पीटना भी, वायरल हो रहा सांसद चंद्रशेखर का बयान

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर अलग-अलग जिलों में जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान लखनऊ में दिया गया उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है।आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद का एक बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल रहा है। इसमें वह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि हम चमड़ा उतारना भी जानते हैं, उसका जूता बनाना भी जानते हैं और समय आने पर उसे सिर पर पटककर मारना भी जानते हैं। ये बयान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए दिया। उन्होंने किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन माना जा रहा है कि उन्होंने करणी सेना के एक पदाधिकारी के बयान पर पलटवार किया है। बता दें कि करणी सेना के प्रदेश महामंत्री ने बयान जारी कर कहा था कि हम चंद्रशेखर को बाराबंकी की धरती पर कदम नहीं रखने देंगे।चंद्रशेखर ने कहा कि हम संघर्ष करने वाले लोग हैं। हम सज्जन लोग हैं। मैं तो संवैधानिक व्यक्ति हूं। हम चमड़ा उतारना भी जानते हैं और समय आने पर उसे सिर पर पटककर मारना भी जानते हैं। हम सिर्फ संविधान से डरते हैं और संविधान के खिलाफ कभी नहीं जाएंगे।चंद्रशेखर यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अलग-अलग जिलों में जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने बाराबंकी में जनसभा को संबोधित किया। जहां पर उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज से छीना गया राजपाट वापस लिया जाएगा और जो लोग आज बहुजनों का रास्ता रोक रहे हैं उनके नाम डायरी में लिखे जा रहे हैं, सत्ता आने पर उनका उचित सम्मान होगा। शहर के निकट मंजीठा ग्राम पंचायत के पास कांशीराम जयंती और पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित जनसभा में 20 हजार से अधिक लोगों को देख गदगद हुए चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि दिल्ली की सत्ता पर बहुजन समाज का पहला प्रधानमंत्री बैठेगा और उसी दिन कांशीराम का सपना पूरा होगा। प्रदेश सरकार पर तीखे हमले करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि प्रदेश में कानून का राज है। जबकि उत्तर प्रदेश में एलानिया कत्ल हो रहे हैं। उन्होंने बदायूं में हत्या और संभल में किशोरी के साथ गैंगरेप, बाराबंकी के मोहम्मदपुर खाला में किशोरी के जिंदा जलने समेत कई घटनाओं उल्लेख किया। ...तो यमराज छुट्टी पर चले जाते हैं- उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कहते है कि हर चौराहे पर यमराज खड़े हैं, मगर लेकिन गुंडे भाजपा से जुड़े होते है तो यमराज छुट्टी पर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि गारंटी देता हूं कि 20 मार्च 2020 को हमने पार्टी बनाई। मैंने किसी धर्म पर टिप्पणी नहीं की। बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने संभल के सीओ को सत्ताधारी दल के नेताओं की तरह बोलने का आरोप लगाया और कहा कि हाईकोर्ट ने जो टिप्पणी की उसका स्वागत है।

## संक्षिप्त समाचार

### एलपीजी यूजर्स के लिए बड़ा अपडेट: आधार e-KYC कराना अनिवार्य, नहीं कराया तो हो सकती है बड़ी परेशानी

सरकार ने घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए आधार आधारित e-KYC को अनिवार्य कर दिया है। अब e-KYC के बिना गैस सिलिंडर की बुकिंग और सब्सिडी दोनों प्रभावित हो सकती हैं। आइए समझते हैं LPG Aadhaar e-KYC क्या है और इसे घर बैठे ऑनलाइन कैसे पूरा किया जा सकता है।देश में बढ़ती एलपीजी मांग और सप्लाई सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने गैस कनेक्शन से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब सभी घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए आधार आधारित e-KYC कराना अनिवार्य कर दिया गया है। इस नए नियम के तहत बायोमेट्रिक या फेस ऑथेंटिकेशन के जरिए पहचान सत्यापन जरूरी होगा। अगर यूजर e-KYC पूरा नहीं करता है, तो गैस सिलिंडर की बुकिंग और सब्सिडी दोनों प्रभावित हो सकती हैं।क्यों जरूरी किया गया e-KYC? सरकार के इस फैसले के पीछे कई अहम वजह- फर्जी और डुप्लीकेट गैस कनेक्शन खत्म करना। ब्लैक मार्केटिंग और स्टॉकिंग पर रोक लगाना। सही लाभार्थियों तक सब्सिडी पहुंचाना।- कई मामलों में यह सामने आया था कि कुछ लोग एक से ज्यादा गैस कनेक्शन लेकर सब्सिडी का गलत फायदा उठा रहे थे। आधार ई-केवाईसी के जरिए ऐसे मामलों पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही है। एलपीजी ई-केवाईसी एक डिजिटल प्रक्रिया है

## चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, एक साथ बदले जाएंगे 13 जिलों के एसपी;कुल 19 अफसरों का तबादला

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के एलान के बाद से बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हो चुका है। तबादला किए गए अधिकारियों में मुख्य सचिव, डीजीपी समेत कई जिलों के पुलिस अधिकारी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का एलान होने के बाद से बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हो चुका है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को भी 19 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले का आदेश जारी किया है। तबादला किए गए अधिकारियों में उत्तर, दक्षिण बंगाल के एडीजी भी शामिल हैं।कई जिलों में प्रशासनिक फेरबदल- आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह को दक्षिण बंगाल का नया एडीजी नियुक्त किया गया है। वहीं के जयरामन को उत्तर बंगाल के एडीजी पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों 1997 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। आसनसोल-दुर्गापुर, हावड़ा, बराकपोर और चंदननगर जिलों में भी नए कमिश्नर ऑफ पुलिस की नियुक्ति की गई है। 12 जिलों के पुलिस अधीक्षक भी ताजा फेरबदल में बदले गए हैं। बंगाल में दो चरणों में होंगे चुनाव- 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव दो चरणों में होंगे। 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा और 4 मई को नतीजे घोषित होंगे। चुनाव आयोग ने किन अधिकारियों के तबादले के आदेश दिए? क्रम संख्या अधिकारी का नाम कहां भेजे जाएंगे 1 पुष्पा (IPS 2012) एसपी, बारासात पीडी 2 जसप्रीत सिंह (IPS 2016) एसपी, कूचबिहार 3सूर्य प्रताप यादव (IPS 2011) एसपी, बीरभूम 4 राके शा सिंह (SPS 2014) एसपी, इस्लामपुर पीडी 5 कुमार सनी राज (IPS 2017) एसपी, हुगली ग्रामीण 6 इशानी पॉल (IPS 2013) एसपी, डायमंड हार्बर पीडी 7 सचिन (UPS 2013) एसपी, मुर्शिदाबाद पीडी 8 अलकनंदा भौवाल (IPS 2017) एसपी, बसीरहाट पीडी 9 अनुपम सिंह (IPS 2015) एसपी, मालदा 10 अंगशुमन साहा (IPS 2012) एसपी, पूर्व मेदिनीपुर 11 येलवाड श्रीकांत जगन्नाथराव (IPS 2015) डीसी, सेंट्रल डिवीजन, कोलकाता 12 सुरिंदर सिंह (IPS 2016) एसपी, जंगीपुर 13 पापिया सुल्ताना (SPS 2015) एसपी, पश्चिम मेदिनीपुर

## जयराम रमेश ने 1956 के स्वेज संकट को किया याद, बोले- भारत की कूटनीति ने निभाई थी अहम भूमिका

होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच जयराम रमेश ने 1956 के स्वेज संकट को याद किया और वीके मेनन की कूटनीतिक भूमिका को अहम बताया। उन्होंने कहा कि उस समय भारत ने शांति स्थापना में बड़ी भूमिका निभाई थी, जबकि मौजूदा संकट से वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है।दुनिया इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव से जूझ रही है, ऐसे में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को 1956 के स्वेज संकट को याद करते हुए उस दौर की कूटनीतिक कोशिशों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय भारत के वरिष्ठ राजनयिक वीके कृष्ण मेनन संकट को सुलझाने की कोशिशों के केंद्र में थे।70 साल पहले की किस घटना को किया याद?- रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 70 साल पहले दुनिया स्वेज संकट से जूझ रही थी। 26 जुलाई 1956 को मिस्र के राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर ने स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण कर दिया था, जिससे पश्चिमी देशों में तीखी प्रतिक्रिया हुई और युद्ध जैसे हालात बन गए।उन्होंने बताया कि 29 अक्तूबर 1956 को ब्रिटेन, फ्रांस और इस्राइल ने मिस्र पर हमला कर दिया था, लेकिन कुछ ही दिनों में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के हस्तक्षेप के बाद उन्हें पीछे हटना पड़ा। रमेश ने यह भी याद दिलाया कि यही आइजनहावर तीन साल पहले ईरान के प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्देग को हटाने के संयुक्त अभियान को मंजूरी दे चुके थे। रमेश के अनुसार, नवंबर 1956 की शुरुआत में संघर्ष रुकने के बाद संयुक्त राष्ट्र की एक आपातकालीन सेना (हथियार) को सिनाई और गाजा क्षेत्र में तैनात किया गया था, जिसमें भारत सहित 10 देशों की भागीदारी थी। इस बल ने जून 1967 तक वहां शांति बनाए रखने में भूमिका निभाई। भारत ने क्या निभाई थी भूमिका?- उन्होंने बताया कि इस मिशन में भारत की अहम भूमिका रही दिसंबर 1959 से जनवरी 1964 तक लेफ्टिनेंट जनरल पीएस ज्ञानि और जनवरी 1966 से जून 1967 तक मेजर जनरल इंदरजीत रिक्ये ने इसकी कमान संभाली। साथ ही, 20 मई 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गाजा में भारतीय सैनिकों को संबोधित भी किया था। रमेश ने कहा कि यूएनईएफ के हटने के तुरंत बाद ही छह-दिवसीय युद्ध शुरू हो गया था

## ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र, बंगाल के शीर्ष अधिकारियों के एकतरफा ट्रांसफर पर जताई चिंता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शीर्ष अधिकारियों के एकतरफा ट्रांसफर पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक परंपरा और संविधान की भावना के खिलाफ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार रात चुनाव आयोग के अधिकारियों ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर चार शीर्ष राज्य अधिकारियों के अचानक ट्रांसफर पर गहरी चिंता और आश्चर्य जताया। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि उन्हें यह पत्र लिखने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि 15 और 16 मार्च को आयोग ने कई वरिष्ठ अधिकारियों के एकतरफा स्थानांतरण के निर्देश जारी किए। इनमें मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। ममता बनर्जी ने कहा ऐसे व्यापक ट्रांसफर बिना किसी ठोस कारण, चुनाव से जुड़े किसी उल्लंघन या गलत आचरण के आरोप के बिना किए गए हैं।चुनाव आयोग ने रविवार रात राज्य के शीर्ष नौकरशाहों मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीना के ट्रांसफर के आदेश दिए। सोमवार को जारी अगले आदेश में डीजीपी पीयूष पांडे और कोलकाता पुलिस कमिश्नर सुप्रतीम सरकार को भी बदल दिया गया। आदेश के तुरंत बाद राज्य सरकार ने भी कई वरिष्ठ IPS अधिकारियों के स्थानांतरण की अधिसूचना जारी की।संविधान और प्रशासनिक परंपरा पर सवाल- मुख्यमंत्री ने संविधान की धारा 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव के दौरान अधिकारियों को आयोग के अधीन मानते हुए उनका स्थानांतरण राज्य सरकार की सलाह से होना चाहिए। उन्होंने कहा पिछले चुनावों में आयोग ने हमेशा ऐसी ट्रांसफर के लिए राज्य सरकार से परामर्श किया है। आम तौर पर आयोग राज्य सरकार से तीन अधिकारियों की सूची मांगता था, जिनमें से वह किसी एक को चयनित करता था। ममता बनर्जी ने कहा कि यह गहरी चिंता और आश्चर्य की बात है कि राज्य प्रशासन के प्रमुख अधिकारियों को विधानसभा चुनाव 2026 की घोषणा के कुछ ही घंटों में हटाया गया। भविष्य के लिए अनुरोध- मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि भविष्य में इस तरह के एकतरफा कदम न उठाए जाएं। उनका कहना है कि इससे आयोग की प्रतिष्ठा और संविधान की मूलभूत संवैधानिक भावना पर असर पड़ता है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 294 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होंगे और वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी।

## राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर कांग्रेस सख्त, सोफिया फिरदौस समेत तीनों विधायकों को किया निलंबित

ओडिशा में क्रॉस वोटिंग करने वाले तीन विधायकों पर कांग्रेस पार्टी ने सख्त रुख अपनाया है और तीनों को निलंबित कर दिया है। पार्टी इन विधायकों को निष्कासित करने पर भी विचार कर रही है। ओडिशा कांग्रेस अध्यक्ष ने तीनों विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने पर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कांग्रेस पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया है। 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के तीन विधायकों रमेश जेना, दशरथी गोमांगो और सोफिया फिरदौस ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय को वोट दिया था, जिसके चलते कांग्रेस और बीजद के संयुक्त उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा। पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन है% कांग्रेस ने तीनों बागी विधायकों को निलंबित करते हुए कहा कि इन विधायकों ने पार्टी के आधिकारिक व्हिप का उल्लंघन किया है, जो पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन है।ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बयान जारी कर कहा, तीनों विधायकों ने न सिर्फ पार्टी के निर्देशों को नहीं माना बल्कि पार्टी और इसकी विचारधारा के हितों के खिलाफ काम किया। इसका संज्ञान लेते हुए तीनों विधायकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिए हैं कि तीनों पर आगे भी कार्रवाई की जा सकती है और इन्हें पार्टी से निष्कासित करने पर भी विचार किया जा सकता है। कांग्रेस मीडिया सेल के अध्यक्ष अरबिंद दास ने बताया कि मामले की समीक्षा की जा रही है। विधानसभा में कांग्रेस विधायकों के साथ नहीं बैठेंगे तीनों विधायक- ओडिशा कांग्रेस के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की पुष्टि करते हुए कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी इसकी जानकारी दी गई है। भक्त चरण दास ने विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने पर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें इसकी जरा भी उम्मीद नहीं थी। भक्त चरण दास ने कहा कि बागी विधायकों को विधानसभा में पार्टी के अन्य विधायकों के साथ बैठने की इजाजत नहीं होगी। भाजपा के दो और एक समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार को मिली जीत- ओडिशा में राज्यसभा की चार सीटों के लिए कुल पांच उम्मीदवार मैदान में थे। भाजपा ने मनमोहन सामल और सुजीत कुमार को उम्मीदवार बनाया था। बीजद की ओर से संतृप्त मिश्रा उम्मीदवार थे। वहीं डॉ. दत्तेश्वर होता, बीजद और कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार थे। निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय को भाजपा ने समर्थन दिया हुआ था। चुनाव नतीजों में भाजपा के दोनों और बीजद उम्मीदवार जीत गए। वहीं तीन विधायकों सोफिया फिरदौस, रमेश जेना, दशरथी गोमांगो ने क्रॉस वोटिंग की, जिसके चलते भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय जीत गए और बीजद-कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा।

संपादकीय Editorial

# Elections for Vote Stripping

Elections in Assam, Kerala, Tamil Nadu, West Bengal, and the Union Territory of Puducherry have been announced amid confusion, crisis, and profound questions. A total of 174 million voters in these four states and the Union Territory will exercise their constitutional right to elect governments, but this is the first time that over 16.5 million voters have been disenfranchised. So many voters have been deleted after the Election Commission's Special Intensive Review (SIR). Were all of them infiltrators, Bangladeshis or Rohingyas? The Election Commission has not provided any clarification on this question. The most sensitive, and to some extent unconstitutional, case is in West Bengal. 63.66 lakh voters were deleted under the SIR, but the claims of over 1 million voters were later found to be valid, and they were included in the electoral rolls. The scrutiny of over 5 million voters is still ongoing, with judicial officials conducting the investigation, and elections have been announced in the meantime. Will these more than 5 million voters be unable to vote? Can elections be conducted with such widespread disenfranchisement? This investigation is ongoing under the supervision of the Calcutta High Court. This issue in Bengal has also been raised in the Supreme Court, but there is no clear answer as to whether deleting so many votes is unconstitutional. Chief Minister Mamata Banerjee argued that voters under investigation and whose names are not currently on the electoral rolls should be at least partially entitled to vote in the assembly elections, but the Election Commission did not agree. As a result, more than 5 million voters in Bengal will not be able to vote in this election. Is this why India's democracy and Constitution are so "great"? Is the Election Commission above the Constitution and autocratic? If suspicious voters are found to be correct after investigation, and the elections are completed, but they remain disenfranchised, who will be responsible? Can the Chief Election Commissioner and both Commissioners be dismissed? Absolutely not, because the Constitution only allows these Commissioners to be removed through impeachment. 130 Lok Sabha and 63 Rajya Sabha MPs have signed and filed notices of impeachment against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar, yet Gyanesh has no concern for morality. He refuses to comment on political issues or answer media questions. Is he a super-constitutional authority? It's surprising that such widespread disenfranchisement has been carried out, and the Supreme Court cannot intervene. Is this its role as the guardian of the Constitution? Not just in Bengal, another issue is extremely important and constitutionally questionable. Nearly 4 million citizens of Kerala are working in Gulf countries. More than 1.1 million citizens of Tamil Nadu are also in Gulf countries. They are still Indian citizens. Their passports and other documents are also Indian. They send an average of $50-51 billion to their "homes" in India. This money comes into Indian banks, thus increasing India's GDP. Did the Election Commission consider these more than 5.1 million Indians as "voters" in the voter list purification process? There's no clear answer to this either. The SIR campaign has been completed in all states except Assam. Most minority, Dalit, and tribal names have been deleted. Prime Minister Modi and the BJP have expressed deep concern about demographic change through infiltration. However, questions are being raised about the impartiality and neutrality of the Election Commission.

# Elections in Five States

The assembly elections in these states will also test regional and national political parties. The BJP and Congress are the most prominent among them. While the Communist Party of India (Marxist), which leads the Left Front government in Kerala, is also a national party, its status has been reduced to that of a regional party. Assembly elections have been announced in five states. State governments will face anti-incumbency. National and regional parties will face a tough test. With the announcement of assembly elections in four states—Assam, West Bengal, Kerala, Tamil Nadu, and the Union Territory of Puducherry—the question has arisen: what direction will the results of these states provide for national politics? The assembly elections in these five states will also reveal whether anti-incumbency sentiment will prove effective against the ruling parties in their respective states. This will largely depend on the public's attitude toward the state governments' performance. Generally, all governments face some degree of anti-incumbency, but governments that remain in power for a long time are more likely to experience anti-incumbency. In this regard, the Trinamool Congress government in Bengal, which is completing its third term, the Left Front government in Kerala, which is about to complete its second term, and the BJP government in Assam are key. The assembly elections in all these states will also test regional and national political parties, prominent among them being the BJP and the Congress. While the Communist Party of India (Marxist), which leads the Left Front government in Kerala, is also a national party, its status has been reduced to that of a regional party. If the BJP is likely to return to power in Assam, there are also some possibilities for the Congress in Kerala. However, the fact is that the Congress's position in this state is not very good. It is also plagued by factionalism. The Congress will also try to challenge the BJP in Assam, but its position here is also not very good. Recently, one of its prominent leaders joined the BJP. In Tamil Nadu, too, the Congress is largely at the mercy of the ruling DMK. The DMK is unwilling to concede more than 25-30 seats to it. Tamil Nadu's neighboring Union Territory of Puducherry has a coalition government, which also includes the BJP. At present, there is no major challenge before it, but the election results will decide who forms the government here. Regional issues are more influential in state elections, but some national issues also have their impact. The SIR issue may become a hot topic in all non-BJP ruled states. In Bengal, it will be especially raised by the Trinamool Congress. In response, the BJP will strongly raise the issue of infiltrators here, but only time will tell whether it will be able to achieve the desired success or not. One good thing about these elections is that voting will be held in two phases in Bengal and in one phase in all other states.

# Shopping is becoming an everyday experience with the use of AI.

Artificial Intelligence (AI) is transforming the shopping experience for Indian consumers. It has become a research partner by simplifying complexities, suggesting the right choices, and confirming decisions with confidence. Shopping is becoming an everyday experience with AI - Artificial Intelligence (AI) is transforming the shopping experience for Indian consumers. It has become a research partner by simplifying complexities, suggesting the right choices, and confirming decisions with confidence. Over the past few years, Artificial Intelligence (AI) has become more than just a buzzword, but has become the center of technology conversations. The recent CES (Consumer Electronics Show) 2026 demonstrates how far we have come. AI has now become a vital part of every category, from TVs and laptops to home appliances, with each new version introducing capabilities that truly enhance the everyday experience. This transformation has taken an interesting turn in India. Indian consumers have always conducted careful and thorough research when making purchasing decisions. Now, AI is becoming their research partner, simplifying complexities, surfacing the right options, and confidently confirming decisions. Today, when someone goes to buy a TV, they no longer wade through a multitude of technical specifications or listen to tiresome sales pitches. Instead, they answer a few simple questions on an app—??big is the room, what do they primarily watch, how well is the space. AI instantly processes this information and, from thousands of options, selects only the models that best suit their needs. Consider a working professional looking to upgrade their laptop. They describe their usage—video editing, client presentations, frequent travel, etc. In this case, AI not only matches specifications but also understands the context. It recommends laptops that are suited for creative tasks, have excellent battery life, are weight-balanced, and clearly outline potential compromises. Visual search is another major revolution. See a TV setup at a friend's house and like it? Take a photo. AI identifies the model, shows similar options, compares prices, and even tells you what other people typically buy with it. Investing in quality: A more confident buyer is emerging. Customers are now making decisions based on specifications, not just brand names. The desire to invest in quality has been present among Indian consumers for the past few years. Today, caution has also accompanied it. Simply showcasing features and specifications no longer works. By reducing uncertainty, AI is helping India's naturally cautious and diligent buyers invest in premium technology with greater confidence. Perhaps the biggest change is how AI understands and presents customer feedback. Where previously, buyers had to scroll through hundreds of reviews, they now have clear, consolidated information at a glance, derived from thousands of real-life user experiences. This can be illustrated by the example of a common product like headphones. While many reviews often praise sound quality, build quality, and noise cancellation, battery life is also mentioned. Opinions about value for money vary, reflecting different customer expectations at different price points. Presented in this way, reviews cease to be noise; they become a guide, helping customers understand a product's strengths, limitations, and real-life performance before making a decision. The Way Forward: In the future, AI will not only help customers find products but also predict their needs more accurately. It will clarify tradeoffs between options and validate decisions based on real-life experiences. Understanding the truth behind claims, making accurate comparisons, and identifying true value, skills that experienced shoppers developed over years, are now available to anyone with a smartphone. Indian consumers are no longer questioning whether to trust AI; they've already embraced it. As AI reshapes the way we search, compare, and make decisions, the informational advantage that once existed for a select few is eroding. The future isn't one where AI makes decisions for us, but one where AI empowers informed humans to make better choices for themselves. In a market that has always valued informed decision-making, better shopping means using smarter tools with the right intentions.

# युवाओं को आतंकी संगठन में शामिल करा रहा था हारिश अली, दो साल में कई बार कश्मीर गया बीडीएस का छात्र

यूपी एटीएस ने मुरादाबाद से बीडीएस का छात्र हारिश को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसने मुरादाबाद मंडल के युवाओं से कई बार देश विरोधी सामग्री भी साझा की थी। पिछले दो वर्षों में उसके कई बार जम्मू-कश्मीर के दौरे किए।पीतल को एटीएस के हत्थे चढ़ा बीडीएस का छात्र हारिश मुरादाबाद में रहकर आईएस के मुरादाबाद के अलावा संभल, अमरोहा, बिजनौर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश कई जिलों इन दो वर्षों में उसके कई बार जम्मू कश्मीर जाने की जानकारी एटीएस को मिली है। (जून 2024 में) अपने बेटे हारिश का मुरादाबाद के एक कॉलेज में बीडीएस में कॉलेज के हॉस्टल में रहा लेकिन बाद में उसने कॉलेज से बाहर किराये पर मकान ले और लैपटॉप पर ज्यादा ही व्यस्त रहता था। पिछले कुछ समय से एटीएस उसकी अलग ग्रुप अल इत्तिहाद मीडिया फाउंडेशन भी बनाया था। वह सोशल मीडिया पर कमेंट्स और पोस्ट करते हैं। इसके बाद वह उन्हें ऑन लाइन अपने साथ जोड़ लेता था करता था। एटीएस उसके संपर्क में रहने वाले लोगों से पूछताछ कर सकती है।

नगरी एक बार फिर आतंकी गतिविधियों से सुर्खियों में आ गई है। रविवार लिए भर्तियां कर रहा था। एटीएस की जांच में सामने आया है कि उसने के सैकड़ों युवाओं को जोड़ लिया था। उन्हें देश के खिलाफ उकसा रहा था। सहारनपुर के मोहल्ला मानक मऊ निवासी रियासत हुसैन ने दो साल पहले दाखिला कराया था।जांच में यह बात भी सामने आई है कि वह शुरुआत में लिया था। कॉलेज में वह अन्य छात्रों से कम बात करता था लेकिन मोबाइल गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। उसने सोशल मीडिया पर अपना एक यह भी देखता रहा था कि कौन कौन यूजर देश और सरकार के खिलाफ और इसके बाद ग्रुप में आईएस की प्रचार-सामग्री और निर्देशों को साझा मुरादाबाद में पहले भी पकड़ा गया है आतंकी संगठनों का नेटवर्क- आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के लिए भर्ती कराने के आरोप में बीडीएस का छात्र पकड़ा गया है। इससे पहले भी मुरादाबाद में संदिग्ध आतंकी पकड़े जा चुके हैं। हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकी उल्फत हुसैन और आईएस, लश्कर-ए-तैयबा का भी बड़ा नेटवर्क सामने आ चुका है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने दो अक्तूबर 2023 को मुरादाबाद से आईएस के आतंकी अरशद वारसी को गिरफ्तार किया था। इससे पहले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी फरहान और हिजबुल के आतंकी अहमद रजा की भी यहां से गिरफ्तारी हो चुकी है। मुगलपुरा थाना क्षेत्र से 27 अक्तूबर 2017 को आईबी, एटीएस और पुलिस की संयुक्त टीम ने गोधरा कांड के आरोपी और लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य फरहान को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि उसे छह अगस्त 2007 को दिल्ली की स्पेशल टीम ने पोटा मामले में गिरफ्तार किया था। उसे कोर्ट ने सात साल की सजा सुनाई थी। 2009 में दिल्ली हाईकोर्ट से वह जमानत पर छूट गया। कोर्ट ने उसका पासपोर्ट जब्त करने के साथ विदेश जाने पर रोक लगाई थी। सिद्धार्थनगर जनपद का शोहरतगढ़ निवासी फरहान मुरादाबाद आ गया था।

# फट गए थे सिर, हाथ-पैर की हड्डियां भी टूटीं, रफ्तार और बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली ने खत्म कीं 4 जिंदगियां

मुरादाबाद के मूंढापांडे थाना क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मनकरा मोड़ के पास सोमवार सुबह करीब 6.15 बजे तेज रफ्तार कार अचानक आगे आई ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। इस हादसे में नैनीताल बैंक के दिल्ली रीजन के मैनेजर समेत चार लोगों की मौत हो गई।दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर एक्सीडेंट जोन बन चुके मनकरा मोड़ कट पर सोमवार की सुबह फिर चार जिंदगियां खत्म हो गईं। मनकरा लिंक मार्ग से आने वाले वाहन अक्सर रामपुर की ओर से आने वाले वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते हैं। सोमवार की सुबह भी ऐसा ही कुछ हुआ। बताया जा रहा है कि ईंट लदी बिना नंबर प्लेट की ट्रैक्टर ट्रॉली कट से जैसे ही हाईवे पर चढ़ी तो करीब 100 किलोमीटर की रफ्तार से आ रही कार उसमें पीछे से घुस गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के तो परखच्चे उड़ गए साथ ही ट्रॉली की ईंटें भी दूर तक हाईवे पर फैल गईं। हल्द्वानी निवासी योगा टीचर यशदीप पांडे सोमवार की सुबह अपनी कार में नैनीताल बैंक के रीजनल मैनेजर दयाल सिंह रावत, इंजीनियर भुवन भंडारी, सीनियर एकाउंटेंट सुंदर सिंह और अनिल नेगी को बैठाकर नोएडा जा रहे थे। चालक ने पुलिस को बताया कि कार की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रही होगी। जब कार मूंढापांडे थाने के पास मनकरा मोड़ के पास पहुंची। एक्सीडेंट जोन बन चुके मनकरा मोड़ कट पर अचानक ट्रैक्टर ट्रॉली आ गई। यशदीप पांडे कार को रोक पाते। उससे पहले ही कार पीछे से घुस गई। जानलेवा बन चुके इस कट को बंद करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी कई बार मुआयना कर चुके हैं। बैठकें हो चुकी हैं लेकिन न तो कट बंद हुआ और न ही यहां हादसे रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया। इसी का नतीजा है कि सोमवार की सुबह फिर चार जिंदगियां खत्म हो गईं। हैरानी की बात है कि इस ट्रैक्टर ट्रॉली की वजह से हादसा हुआ है वह बिना नंबर प्लेट के धड़ल्ले से दौड़ रही थी। चालक ट्रैक्टर ट्रॉली छोड़कर भाग गया लेकिन अब तक चालक का पता चल पाया है। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने मुआयना किया और हादसे का सही कारण जानने का प्रयास किया।उन्होंने आस पड़ोस के लोगों और पुलिस कर्मियों से बात की। तब सामने आया है कि लिंकरोड से अचानक आने वाले वाहन रामपुर की ओर से आने वाहन चालक को दिखाई नहीं देते हैं। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों से बात की और कट बंद करने और यहां फ्लाई ओवर बनाए जाने पर चर्चा भी की है।पहले इस कट पर हो चुके हैं हादसे- दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मनकरा मोड़ कट पर पहले भी हादसे को चुके हैं। पुलिस प्रशासन के रिकार्ड में यह ब्लैक स्पॉट है बावजूद इसके यहां हादसे रोकने को पर्याप्त व्यवस्था नहीं हैं। इससे पहले नवंबर 2025 में यहां अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत हो गई थी। इसके बाद फरवरी 2026 में ही तेजपाल नाम के युवक की मौत हो गई थी। इससे पहले जुलाई 2024 में मनकरा मोड़ के पास ही रोडवेज बस की टक्कर से कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की जान चली गई थी। इसी साल कोहरे में सात वाहन आपस में भिड़ गए थे जिसमें कई लोग घायल हो गए थे। 18 दिसंबर 2025 को तेज रफ्तार टेंपो के सामने नीलगाय के टकराने के बाद वह पलटा गया था। हादसे में मजदूर की मृत्यु हो गई जबकि उसकी पत्नी, बेटी घायल हो गई थी।एसएसपी ने किया दुर्घटनास्थल का मुआयना हादसे की जानकारी मिलने के बाद एसएसपी सतपाल अंतिल भी टीम के साथ दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने थाना प्रभारी मोहित चौधरी से पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने यह भी देखा कि हादसे रोकने के लिए क्या किया जा सकता हैदिल्ली जाने के लिए बैंक मैनेजर, इंजीनियर व अकाउंटेंट ने बुक कराई थी सीटें- बिना किसी दफ्तर, वैध पंजीकरण और जवाबदेही के चल रहा कार-शेयरिंग एप ब्ला-ब्ला लोगों की जान पर भारी पड़ गया। सोमवार सुबह मुरादाबाद के मूंडापांडे में हुए भीषण हादसे ने चार परिवारों को उजाड़ दिया। जिस एप को लोग सस्ती और आसान यात्रा का जरिया समझ रहे थे वही उनके लिए मौत का कारण बन गया। आरटीओ रोड निवासी यशदीप पांडे (30) नोएडा में योगा टीचर हैं।इनके पास टियागो कार है। रविवार को उन्होंने अपनी कार को ब्ला-ब्ला एप पर रजिस्टर किया और दिल्ली जाने के लिए चार सीटों का ऑफर किया। इस एप का इस्तेमाल करते हुए अमरावती कॉलोनी निवासी दिल्ली में तैनात नैनीताल बैंक के रीजनल मैनेजर दयाल सिंह रावत (59), कुसुमखेड़ा के भुवन भंडारी (35), आरटीओ रोड निवासी सुंदर सिंह (42) और अनिल नेगी ने दिल्ली के लिए सीटें बुक कराईं।सुबह साढ़े चार बजे चालक यशदीप चारों को अलग-अलग जगह से लेकर दिल्ली के लिए रवाना हुआ। मुरादाबाद में उसकी कार ईंट लदी ट्रॉली से जा टकराई। हादसे में दयाल, भुवन और सुंदर की मौके पर मौत हो गई जबकि अनिल ने अस्पताल में दम तोड़ा। यशदीप जिंदगी और मौत से जूझ रहा है।ई-मेल पर भेजा नोटिस, नहीं मिला जवाब- ब्ला-ब्ला दुनिया का सबसे बड़ा लंबी दूरी का कारपूलिंग प्लेटफॉर्म है। यह उन ड्राइवरों को यात्रियों से जोड़ता है जो एक ही दिशा में जा रहे हैं ताकि वे यात्रा की लागत साझा कर सकें।ये टैक्सी सेवा नहीं है। शहर में समय-समय पर ट्रांसपोर्ट कारोबारियों ने इस पर रोक लगाने की मांग की थी। उनका कहना था कि ब्ला-ब्ला एप की वजह से उनके कारोबार पर असर पड़ रहा है और उन्हें सवारी नहीं मिल रही है। इसके बाद परिवहन विभाग ने ब्ला-ब्ला एप पर शिकंजा कसने के लिए 22 फरवरी 2025 को एप की ईमेल आईडी पर नोटिस भेजा था लेकिन कोई जवाब नहीं आया।एप को भारत में प्रतिबंधित करने के लिए भेजा पत्र- ब्ला-ब्ला एप के लिए देहरादून में परिवहन विभाग के कमिश्नर ने कमेटी बनाई थी। कमेटी सदस्य देहरादून के आरटीओ संदीप सैनी ने बताया कि कमेटी ने इस एप को भारत में प्रतिबंधित करने के लिए तैयारी की है। परिवहन आयुक्त के जरिये केंद्र सरकार को पत्र भेजा गया है। इसके साथ ही आईटी मंत्रालय को भी पत्र भेजा गया है।मुरादाबाद हादसे में जान गंवाने वाले दयाल सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद गांव में ही रहने की थी इच्छा- रविवार तक जो व्यक्ति अपने रिटायरमेंट के बाद गांव में बसने के सपने संजो रहा था, सोमवार को उसकी मौत की खबर ने पूरे परिवार और गांव को शोक में डुबो दिया। नैनीताल बैंक के रीजनल मैनेजर दयाल सिंह रावत की मुरादाबाद में हुए हादसे में मौत हो गई। अभी चौबीस घंटे पहले तक वे गांव में रिश्तेदारों के साथ भविष्य की योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।सरियाताल में अति साधारण कृषक स्व कुंवर सिंह के पुत्र दयाल रावत ने अपनी मेहनत लगन से नैनीताल बैंक में रीजनल मैनेजर तक का सफर तय किया। वह रविवार को गांव में एक नामकरण संस्कार में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद गांव में रहने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि शहर में न मन लगता है और ना अच्छा लगता है। रिटायरमेंट के बाद गांव में ही रहूंगा। लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। चौबीस घंटे भी नहीं बीते थे कि उनकी मौत की खबर आ गई जिसे सुनकर उनके परिवार में कोहराम मच गया।उनके भतीजे ग्राम प्रधान हरगोविंद रावत ने बताया कि परिवार के लोग शव लेने के लिए मुरादाबाद चले गए हैं। उनका पार्थिव शरीर देर रात्रि तक पैतृक गांव सरियाताल पहुंचेगा। कल मंगलवार को चित्रशिला घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी कार, नैनीताल बैंक के आरएम समेत चार की मौत- मुरादाबाद के मूंढापांडे थाना क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मनकरा मोड़ के पास सोमवार सुबह करीब 6.15 बजे तेज रफ्तार कार अचानक आगे आई ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। इस हादसे में नैनीताल बैंक के दिल्ली रीजन के मैनेजर (आरएम) दयाल सिंह रावत (59), निजी कंपनी के इंजीनियर भुवन भंडारी (35), निजी कंपनी के सीनियर एकाउंटेंट सुंदर सिंह (42) और अनिल नेगी की मौत हो गई। कार चला रहे योगा टीचर यशदीप पांडे (30) की हालत गंभीर है। हादसे की चपेट में आए सभी लोग हल्द्वानी के रहने वाले थे। सभी नोएडा में नौकरी करते थे। यशदीप की कार में अन्य चार लोग यात्री के रूप में ब्ला-ब्ला एप से बुकिंग करके सवार हुए थे। हादसा होते ही चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर भाग गया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पहली नजर में हादसे का कारण मनकरा मोड़ के वाहनों का लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर सीधा प्रवेश और अधिक रफ्तार को माना गया है। मनकरा मोड़ से हाईवे पर चढ़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक रामपुर की ओर से आ रही कार के आगे आ गई। तेज रफ्तार के कारण कार को तत्काल रोका नहीं जा सका। ट्रॉली के पिछले हिस्से में घुसकर कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। एसपी के मुताबिक हल्द्वानी में आरटीओ ऑफिस के करीब रहने वाले यशदीप पांडे नोएडा में निजी स्कूल में योगा टीचर हैं। सोमवार की सुबह यशदीप ड्यूटी के लिए नोएडा जा रहे थे। उन्होंने ब्ला-ब्ला एप पर अपनी टियागो कार की डिटेल शेयर की थी। इसके बाद चार सवारियों के रूप में हल्द्वानी की अमरावती कॉलोनी निवासी दयाल सिंह रावत, हल्द्वानी में ही कुसुमखेड़ा निवासी भुवन भंडारी और इसी क्षेत्र के लालपुर नायक आनंदपुरम कॉलोनी के सुंदर सिंह और अनिल नेगी ने सीटें बुक की थीं। सोमवार की सुबह करीब 4.30 बजे यशदीप चारों लोगों को अपनी कार में बैठाकर नोएडा के लिए रवाना हुए और पौने दो घंटे बाद करीब 6.15 बजे मूंढापांडे थाना क्षेत्र में मनकरा मोड़ के पास हाईवे पर हादसा हो गया। तेज टक्कर के कारण कार के परखच्चे उड़ गए। आसपास के ढाबों से लोग मदद को आगे बढ़े और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार से मशक्कत के बाद पांचों को निकाला और मूंढापांडे के सरकारी अस्पताल भेजा। यशदीप को छोड़ अन्य चारों को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर घायल यशदीप का उपचार चल रहा है।हादसे में जान गंवाने वालों के परिजन सूचना मिलते ही हल्द्वानी से मुरादाबाद पहुंच गए। उन्होंने बताया कि दयाल सिंह रावत नैनीताल बैंक में रीजनल मैनेजर के पद पर तैनात थे। इन दिनों उनकी ड्यूटी नोएडा में चल रही थी। परिवार हल्द्वानी में रहता है, जबकि मूलरूप से वह नैनीताल में तल्लीताल के अपर माल वार्ड मोविला कंपाउंड निवासी थे। भुवन भंडारी मूलरूप से अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर थाना क्षेत्र के भंवटी के निवासी थे। अब उनका परिवार भी हल्द्वानी में रहता है। भुवन भंडारी नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनी में इंजीनियर और सुंदर सिंह हीट्रेक्ट कंपनी में सीनियर एकाउंटेंट थे। एसपी ने बताया कि ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।अचानक ट्रैक्टर ट्रॉली आ गई और आंखों के सामने अंधेरा छा गया जिला अस्पताल में भर्ती यशदीप ने बयां की हादसे की कहानी मुरादाबाद। जिला अस्पताल में भर्ती कार चालक योगा टीचर यशदीप ने हादसे की कहानी बयां की। उन्होंने बताया कि हाईवे पर उस वक्त ज्यादा वाहन नहीं चल रहे थे। मैं गाड़ी चला रहा था और बराबर वाली सीट पर दयाल सिंह रावत बैठे थे जबकि पिछले सीट पर सुंदर सिंह, अनिल नेगी और भुवन भंडारी बैठे थे। मनकरा मोड़ के पास कार पहुंची थी कि अचानक कट से एक ट्रैक्टर ट्रॉली तेजी से हाईवे पर चढ़ गई। उनकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया और कार ट्रैक्टर ट्रॉली में पीछे से घुस गई। इसके बाद होश नहीं रहा। होश आया तो खुद को जिला अस्पताल में पाया है। घर से निकलते समय पत्नी से बोले थे सुंदर, नोएडा पहुंचकर करुंगा कॉल- मुरादाबाद के मूंढापांडे क्षेत्र में सोमवार सुबह हादसे में जान गंवाने वाले सुंदर सिंह का परिवार हल्द्वानी आनंदपुरम कॉलोनी में रहता है। सुंदर सिंह नोएडा की हिट्रेस कंपनी में सीनियर अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थे। परिवार में पत्नी शोभा महर और 15 वर्षीय बेटा गर्वित महर है। गर्वित हल्द्वानी के दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 10 में पढ़ता है। पत्नी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब साढ़े चार बजे घर से निकलते समय उनके पति ने कहा कि वह नोएडा पहुंचकर कॉल करेगा। इसके बाद पत्नी और बेटा सो गए थे। सुबह एक कॉल आई। जिसने पूरे परिवार को गम में डूबो दिया।साले की शादी में शामिल होने के बाद लौट रहे थे भुवन- मुरादाबाद हादसे में जान गंवाने वाले भुवन भंडारी मूलरूप से अल्मोड़ा के सोमेश्वर थाना क्षेत्र के भंवटी निवासी थे। वह नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनी में इंजीनियर थे। उनके परिवार में पत्नी पूजा और पांच साल का बेटा मानस है। पूजा का मायका हल्द्वानी में कुसुमखेड़ा में है। पूजा अपने बेटे मानस के साथ कुसुमखेड़ा में ही रहती है। भुवन नोएडा में सेक्टर 62 में रहते थे। 10 मार्च को भुवन के साले रोहित की शादी थी। भुवन शादी में शामिल होने आए थे। रोहित के पिता हरीश ने बताया कि शादी में उनके दामाद बहुत खुश थे और परिवार के साथ डांस भी किया था। सोमवार को उन्हें ड्यूटी पर जाना था। परिवार के लोगों ने उनसे कहा कि वह अभी और रुक जाएं और छुट्टी बढ़ा लें लेकिन वह नहीं माने और उन्होंने ब्ला ब्ला के जरिए सीट बुक कर दी और सोमवार की सुबह चार बजे के आस पास घर से निकल गए थे। इसके बाद फोन के जरिए सूचना मिली कि हादसे में उनके दामाद की मृत्यु हो गई है।फट गए थे सिर, हाथ पैर की हड्डियां भी टूटीं

## संक्षिप्त समाचार

### ग्राम प्रधान के इकलौते बेटे ने लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मार की आत्महत्या, दो माह पहले हुई थी शादी

अमरोहा के हसनपुर में ग्राम प्रधान के इकलौते बेटे ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उसकी दो माह पहले ही शादी हुई थी। परिजन अंतिम संस्कार की तैयार में जुटे हैं। हसनपुर इलाके के एक ग्राम प्रधान के इकलौते बेटे ने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बिना किसी कानूनी कार्रवाई के ही शव का अंतिम संस्कार किए जाने की तैयारी चल रही है।पुलिस घटना की जानकारी से इनकार कर रही है। क्षेत्र के गांव निवासी ग्राम प्रधान का परिवार हसनपुर के एक मोहल्ले में रहता है। उनके 25 वर्षीय इकलौते बेटे की दो माह पहले शादी हुई थी। इसके बाद से लगातार कलेश चल रहा था।इसी के चलते मंगलवार की सुबह युवक ने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली लगने की सूचना मिलते ही परिजनों के होश उड़ गए। आनन-फानन में घायल अवस्था में युवक को निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद परिजन युवक के शव को अंतिम संस्कार के लिए गांव ले गए। पुलिस को जानकारी नहीं दी गई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी का कहना है कि अभी इस संबंध में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। मामले की जांच कराई जाएगी।

### बंदरों से फसल बचाने को किसान बना भालू, अनोखे तरीके से कर रहा खेत की रखवाली

संभल के फिरोजपुर गांव में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे घरों से लेकर खेतों तक भारी नुकसान हो रहा है। परेशान किसानों ने अब भालू की पोशाक पहनकर फसलों की रखवाली शुरू कर दी है।संभल ब्लॉक क्षेत्र के गांव फिरोजपुर के जंगल में बंदरों का प्रकोप बना हुआ है। घर से लेकर जंगल तक में आतंक है। घरों में नुकसान के साथ फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे चिंतित कई किसानों ने अब अनूठा तरीका अपनाया है। वे भालू जैसी पोशाक पहनकर फसलों की रखवाली कर रहे हैं। गांव फिरोजपुर में बंदरों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। गांव के निवासी अनमोल गर्ग बताते हैं कि बंदर निगाह चूकते ही नुकसान कर देते हैं। कभी रोटी ले जाते हैं तो कभी खाने का कोई सामान ले जाते हैं। यही नहीं, कपड़े व अन्य सामान को भी नुकसान पहुंचाते हैं। खेती-किसानी करके परिवार को पाल रहे हैं लेकिन इसमें बंदर ज्यादा नुकसान पहुंचा देते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद भालू जैसी पोशाक ली और फिर इसे पहनकर बंदरों को भगाने का प्रयास किया जाता है। पूरा दिन इसी में गुजर जाता है। - धर्मवीर, फिरोजपुर, बंदरों का आतंक बेहिसाब है। इन्हें डराने की उम्मीद में भालू जैसी पोशाक पहन लेते हैं और फिर पूरे दिन रखवाली करते हैं। जरा सी लापरवाही पर बंदर पूरी फसल को चौपट कर देते हैं। बड़ी समस्या है। कोई समाधान नहीं मिल रहा है। - शमशाद, किसान, फिरोजपुर।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# बीसलपुर में गन्ना किसान गोष्ठी: नई तकनीक से बढ़ेगी पैदावार

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत/ राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत बीसलपुर के ग्राम मानपुर में गन्ना किसानों के लिए भव्य मेले/गोष्ठी का आयोजन किया गया। सैकड़ों किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आधुनिक खेती की तकनीकों के बारे में विशेषज्ञों से जानकारी ली। मुख्य गन्ना सलाहकार डॉ. आर. सी. पाठक ने रोगमुक्त और




गुणवत्तापूर्ण बीज के उपयोग पर जोर दिया। सहायक निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार कपिल ने पंक्ति-पंक्ति 3 फीट दूरी बनाए रखने और संतुलित उर्वरक प्रबंधन की अहमियत बताई। प्रगतिशील किसान डॉ. हरमीत सिंह ने पेड़ी गन्ना से अधिकतम उत्पादन लेने की उन्नत तकनीकें साझा की। जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने समय पर रोपाई और पौध तैयार करने की विधि अपनाने पर बल दिया। इफको एमसी के प्रतिनिधि प्रशांत चैधरी ने उर्वरकों के उपयोग और लाभों पर किसानों को जानकारी दी। कार्यक्रम में राजेश कुमार, मनोज साहू, राजकुमार जैन, अवधेश कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। गोष्ठी का समापन किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाकर उत्पादन बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ, जिससे क्षेत्र में गन्ना उत्पादन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

# बरेली एनकाउंटर : दोहरे हत्याकांड के आरोपी अफसर उर्फ बौरा ढेर पुलिस मुठभेड़ में हुआ अंत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। इज्जतनगर के रहपुरा चौधरी में सास और साले की बेरहमी से हत्या कर दहशत फैलाने वाले आरोपी अफसर उर्फ बौरा का मंगलवार सुबह पुलिस ने एनकाउंटर में अंत कर दिया। सहारा ग्राउंड के पास हुई मुठभेड़ में आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की, लेकिन जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दोहरे हत्याकांड के बाद से फरार चल रहे आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर गठित पांच टीमों ने मंगलवार सुबह मुखबिर की सूचना पर सहारा ग्राउंड के पास घेराबंदी की। खुद को घिरा देख आरोपी ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की और आरोपी को गोली लग गई।सोमवार को रहपुरा चौधरी गांव में पारिवारिक विवाद सुलझाने के लिए पंचायत बुलाई गई थी। इसी दौरान अफसर उर्फ बौरा ने अचानक उग्र होकर पत्नी साइमा, सास आसमा और साले आदिल पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में सास और साले की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती है। यह पूरी वारदात गांव में लगे सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी थी। परिजनों के मुताबिक आरोपी पिछले करीब नौ साल से शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट करता था। घर में लगातार विवाद चल रहा था। रविवार को भी उसने हमला किया था, लेकिन बच निकला। सोमवार को पंचायत के दौरान उसने इस खूनी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को पकड़ने के लिए घेराबंदी की गई थी, लेकिन उसने फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें वह घायल हुआ और बाद में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

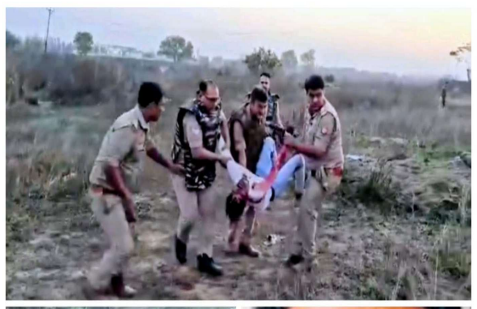

# तीन दिवसीय सनातन नववर्ष महोत्सव मेला 20 मार्च से

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सनातन संस्कृति चेतना ट्रस्ट, बरेली द्वारा हिंदू नववर्ष एवं विक्रम संवत 2083 के उपलक्ष्य में चतुर्थ सनातन नववर्ष महोत्सव मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय मेला 20, 21 एवं 22 मार्च 2026 को बरेली क्लब मैदान में आयोजित होगा। यह जानकारी मेलाध्यक्ष रविन्द्र अग्रवाल सीए ने बरेली क्लब मेला स्थल पर एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि मेले का उद्देश्य सनातन संस्कृति, भारतीय परंपराओं तथा सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में शहर तथा आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। 20 मार्च (शुक्रवार) को मेले का भव्य शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्वलन के साथ होगा। इस अवसर पर संत- महात्माओं एवं विशिष्ट अतिथियों का आशीर्वचन भी होगा। उद्घाटन दिवस पर प्रसिद्ध गायिका अभिलिप्सा पांडा अपनी टीम के साथ 卐हर-हर महादेव卐 सहित भक्ति एवं भारतीय




संस्कृति पर आधारित गीतों की प्रस्तुति देंगी। मेले में सनातन परंपरा से जुड़े प्रदर्शनी स्टॉल, सांस्कृतिक स्टॉल, पारिवारिक मनोरंजन के कार्यक्रम तथा बच्चों के लिए झूले भी लगाए जाएंगे। शनिवार) को शाम 7 बजे से विराट कवि सम्मेलन आयोजित होगा। इसमें देश के प्रसिद्ध कवि डॉ. हरिओम पवार, सरदार प्रताप फौजदार, डॉ. सुरेन्द्र जैन (मंच संचालन), डॉ. प्रतीक गुप्ता, अभय सिंह निर्भीक, काव्यश्री जैन एवं मयंक शर्मा अपनी ओजपूर्ण, राष्ट्रभक्ति और हास्य व्यंग्य से भरपूर कविताओं की प्रस्तुति देंगे। 22 मार्च (रविवार) को मेले के समापन दिवस पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्मान समारोह तथा विभिन्न प्रतिभाओं की प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक रवि पंडित आधुनिक वाद्य यंत्रों के साथ भक्ति संगीत की प्रस्तुति देंगे। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न आकर्षक स्टॉल, बच्चों के मनोरंजन की व्यवस्था और भोजन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध व्रत की थाली भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा बच्चों के लिए संस्कृत ज्ञान परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। इसमें भारतीय संस्कृति और सनातन से जुड़े 20 प्रश्नों के उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को निश्चित पुरस्कार दिए जाएंगे। साथ ही लकी ड्रा के माध्यम से प्रतिदिन 2 साइकिल एवं 5 गिफ्ट हैम्पर भी दिए जाएंगे। आयोजक सनातन संस्कृति चेतना ट्रस्ट ने शहर के नागरिकों, परिवारों और युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में मेले में शामिल होकर हिंदू नववर्ष का स्वागत करने का आहवान किया है। प्रेसवार्ता में रवीन्द्र अग्रवाल (सी.ए.) अनुपम खण्डेलवाल, आशीष तायल, भावेश अग्रवाल, मनोज दीक्षित दिनेश गोयल, डॉ. पवन अग्रवाल पंकज अग्रवाल डॉ. डी.के. सक्सेना, रविन्द्र अग्रवाल सीए आदि मौजूद रहे।

# प्रदेश की जल संपदा को सुरक्षित करने में भूगर्भ जल विभाग का सक्रिय योगदान

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत/ उत्तर प्रदेश में भूगर्भ जल संसाधनों के संरक्षण और प्रभावी प्रबंधन के लिए भूगर्भ जल विभाग ने प्रदेशभर में कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएँ शुरू की हैं। वर्ष 2004 से नोडल एजेंसी के रूप में कार्यरत विभाग अब भूजल संरक्षण, संचयन और रिचार्ज योजनाओं के समन्वय में भी सक्रिय है। विभाग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 826 विकासखण्डों में 44 अतिदोहित, 48 क्रिटिकल, 171 सेमी-क्रिटिकल और 563 सुरक्षित श्रेणी में हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में पीजोमीटर की स्थापना और रख-रखाव का कार्य 100त्न पूरा कर लिया गया। भूजल जागरूकता के लिए 16 से 22 जुलाई 2025 तक ''भूजल सप्ताह'' सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। वहीं बुन्देलखण्ड क्षेत्र में इजराइल सहयोग से चल रही इण्डिया-इजराइल बुन्देलखण्ड वाटर प्रोजेक्ट योजना के तहत उन्नत कृषि उपाय और इंटीग्रेटेड ड्रिप इरीगेशन लागू किए जा रहे हैं। इसके अलावा अटल भूजल योजना के अंतर्गत 88 अतिदोहित/क्रिटिकल विकासखण्डों में वाटर सिक्योरिटी प्लान तैयार किया जा रहा है। मध्यम गहरे पीजोमीटर की स्थापना और रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग के लिए कुल 56,000 वर्ग मीटर का लक्ष्य तय किया गया है। भूगर्भ जल विभाग की यह पहल प्रदेश में सतत जल प्रबंधन और जल सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

# ट्रैफिक कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन, एसएसपी अनुराग आर्य ने किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस लाइन स्थित नवनिर्मित ट्रैफिक कार्यालय का उद्घाटन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य द्वारा विधिवत रूप से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत फीता काटकर और पूजा-अर्चना के साथ हुई। उद्घाटन के दौरान एसएसपी ने क्रमशः एसपी ट्रैफिक कार्यालय, वीआईपी सेल, पेशी ऑफिस, टीआई ऑफिस एवं प्रहरी उद्यान का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खां सहित समस्त स्टाफ को बधाई दी गई। साथ ही मौजूद अधिकारियों में एसपी सिटी मानुष पारीक, शिवम् आशुतोष, एएसपी सोनाली मिश्र, एएसपी अंजना दहिया, सीओ सेकंड अंजनी तिवारी, सीओ फरीदपुर संदीप सिंह



एवं प्रतिसार निरीक्षक हरमीत सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। इस नए ट्रैफिक कार्यालय के शुरू होने से शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी ।

# वनाग्नि प्रबंधन पर तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार/ पीलीभीत / पीलीभीत। फायर सीजन की शुरुआत को देखते हुए जंगलों को आग से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से विश्व प्रकृति निधि (WWF) के सहयोग से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वनाग्नि प्रबंधन पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला 15 से 17 मार्च तक टाइगर रिजर्व मुख्यालय में आयोजित हुई।कार्यशाला का उद्घाटन 15 मार्च को प्रधान वन संरक्षक सुनील चौधरी ने किया। इसमें माला, महोफ, बरही, हरिपुर और दियोरिया रेंज के करीब 100 अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान फील्ड डायरेक्टर एवं मुख्य वन संरक्षक पी.पी. सिंह ने कहा कि जंगलों को आग से बचाने के लिए अग्नि प्रबंधन कार्यों को गंभीरता से करना आवश्यक है। उन्होंने कूल



बर्निंग और कंट्रोल बर्निंग जैसी तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रभागीय वनाधिकारी मनीष सिंह ने बताया कि जंगल की आग से न केवल घास-पत्तियां नष्ट होती हैं, बल्कि जैव विविधता को भी भारी नुकसान पहुंचता है। इसका विशेष प्रभाव रेंगने वाले जीवों और घास के मैदानों में रहने वाले पक्षियों पर पड़ता है। प्रभागीय निदेशक भारत कुमार डी.के. ने कहा कि आग को विकराल रूप लेने से पहले ही नियंत्रित करना जरूरी है, जिसके लिए समय प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में ड्ब्ड्ब्स्न के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार ने प्रतिभागियों को अग्नि के प्रकार, अग्निशमन तकनीक, मॉप-अप प्रक्रिया, धुएं से आग की पहचान, अग्नि त्रिकोण और अग्नि पट्टियों के महत्व की जानकारी दी। वहीं फायर पुलिस अधिकारी आबिद अली खान ने मानव सुरक्षा और अग्नि नियंत्रण के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के माध्यम से वन कर्मियों को जंगलों में आग की घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

## खेल रही बच्ची पर सियार ने किया हमला ! गंभीर हालत में किया भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिले के हाफिजगंज थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां ईंट भट्ठे पर खेल रही तीन साल की मासूम बच्ची पर सियार ने हमला कर दिया। उसको गंभीर हालत में इलाज को भर्ती किया गया है। जानकारी के अनुसार, गांव सूडयावा निवासी सर्वेश ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं। मंगलवार को जब मजदूर काम में व्यस्त थे, उसी दौरान उनके बच्चे पास में खेल रहे थे। तभी अचानक एक सियार वहां आ पहुंचा और अनामिका नाम की तीन साल की बच्ची पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि सियार ने बच्ची के चेहरे पर बुरी तरह काट लिया, जिससे वह लहूलुहान हो गई। चीख पुकार सुनकर बच्ची को बचाया सियार के हमले के बाद बच्ची चीखने लगी। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह सियार को भगाया और तुरंत उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में बच्ची का इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में पहले भी जंगली जानवरों की आवाजाही देखी गई है। जिससे मजदूरों और उनके बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वहीं घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग प्रशासन से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग कर रहे हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### आज विकास भवन में आयोजित होगा किसान दिवस जिला अधिकारी करेंगे अध्यक्षता

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में किसान दिवस का आयोजन 18 मार्च 2026 को किया जाएगा। यह कार्यक्रम विकास भवन स्थित सभागार में अपरान्ह 12:00 बजे आयोजित होगा। उप निदेशक कृषि हिमांशु पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी महोदय करेंगे। किसान दिवस के अवसर पर किसानों की समस्याओं को सुना जाएगा और संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा मौके पर ही समाधान के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने जनपद के किसानों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव प्रशासन के समक्ष रखें, ताकि उनका शीघ्र निस्तारण किया जा सके।

### घरों में दो से ज्यादा गैस सिलिंडर मिले तो होगी कार्रवाई , बरेली में जारी किए गए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। एलपीजी किल्लत के बीच जो उपभोक्ता घर में दो से ज्यादा सिलिंडरों का भंडारण कर रहे हैं, उनके खिलाफ आवश्यक सेवा संरक्षण अधिनियम (एस्मा) के तहत कार्रवाई की जाएगी। एलपीजी आपूर्ति की अड़चन मद्देनजर लोग अतिरिक्त सिलिंडर जमा करने लगे हैं जो कानून अपराध है। नियमानुसार सामान्य घरेलू उपभोक्ता को 14.2 किलो के दो एलपीजी सिलिंडर रखने की अनुमति होती है। एक उपयोग होता है और दूसरा वैकअप में रखा जाता है। अगर कोई दो से ज्यादा सिलिंडर रखता है तो उसे जमाखोरी माना जाएगा। जिला पूर्ति विभाग की ओर से जारी निर्देश के तहत यदि हेल्पलाइन नंबर पर या अन्य किसी माध्यम से किसी घर में दो से ज्यादा सिलिंडर भंडारण की सूचना मिले तो उच्चाधिकारी की अनुमति पर क्षेत्रीय पुलिस टीम के साथ औचक निरीक्षण किया जाएगा। सूचना की पुष्टि पर विधिक कार्रवाई हो सकती है। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि एस्मा कानून लागू है। ऐसी स्थिति में अगर किसी घर में दो से अधिक सिलिंडरों के भंडारण की सूचना मिलेगी तो जांच और पुष्टि कर कार्रवाई की जाएगी। लोगों से अपील है कि जरूरत के अनुसार ही घरेलू सिलिंडर का उपयोग करें। जुर्माना और सात वर्ष तक के कारावास का है प्रावधान निरीक्षण में अगर घर में दो से ज्यादा सिलिंडर मिले तो अतिरिक्त सिलिंडर जब्त किए जाएंगे। दोषी पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। इसमें तीन माह से सात साल तक की जेल और जुर्माना लगाया जा सकता है। अगर एक ही पते पर एक ही व्यक्ति के नाम से दो गैस कनेक्शन पाए जाते हैं तो दोनों कनेक्शन ब्लॉक हो सकते हैं और दी गई सब्सिडी की वसूली भी की जा सकती है।

### छह हजार करोड़ की परियोजनाओं का मुख्यमंत्री करेंगे लोकार्पण-शिलान्यास

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्च के अंतिम सप्ताह में बरेली के प्रस्तावित दौरे पर जिला प्रशासन ने मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री के नाइट स्टे करने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सीएम बीडीए, नगर विकास, लोनिवि, बिजली आदि विभागों की लगभग 6 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे। इस मौके पर योगी भव्य जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री बरेली कब आएंगे, इसकी तारीख अभी निर्धारित नहीं हुई है। हालांकि चर्चा यह है कि चैत्र नवरात्र में मुख्यमंत्री गोरखपुर ज्यादा रहते हैं। पूजा-पाठ की वजह से बाहर के दौरे कम लगते हैं, इसलिए मार्च के आखिरी सप्ताह में ही आने की संभावना है। इधर, जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री बरेली आएंगे लेकिन कब आएंगे, इसकी तारीख तय नहीं है। प्रशासन ने मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री के बरेली में नाइट स्टे करने की भी संभावना है। वह करीब छह हजार करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे। इसके साथ जनसभा होगी।

# शिवपुरी में जल संकट गहराया, जिला घोषित हुआ जल अकालग्रस्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, प्रतिनिधि। जिले में बढ़ते जल संकट को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने पूरे शिवपुरी जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों को आगामी आदेश तक जल अभावग्रस्त (जल अकाल) क्षेत्र घोषित कर दिया है।यह निर्णय लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के आधार पर लिया गया, जिसमें




बताया गया कि सिंचाई स्रोतों से लगातार जल दोहन के कारण पेयजल स्रोतों का जल स्तर तेजी से गिर रहा है। इससे नल-जल योजनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और भविष्य में गंभीर पेयजल संकट की आशंका जताई गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 3 के तहत जिले में निजी नलकूप (बोरवेल) खनन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब बिना कलेक्टर या अधिकृत अधिकारी की अनुमति के किसी भी जल स्रोत से घरेलू उपयोग के अलावा अन्य कार्यों के लिए पानी का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। औद्योगिक और सिंचाई कार्यों के लिए भी जल उपयोग हेतु पूर्व अनुमति अनिवार्य कर दी गई है। हालांकि, शासकीय आवश्यकताओं के लिए स्थानीय निकायों द्वारा किए जाने वाले नलकूप खनन को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के लिए सख्त दंड का प्रावधान भी किया है। पहली बार उल्लंघन करने पर ?5000 तक का जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि दोबारा गलती करने पर ?10,000 तक का जुर्माना या अधिकतम 2 वर्ष तक की सजा हो सकती है। इसके अलावा, आवश्यकता के अनुसार नए नलकूप की अनुमति देने के लिए कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग की अनुशंसा पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अधिकृत किया गया है।प्रशासन ने आम नागरिकों से जल संरक्षण करने और अनावश्यक पानी के उपयोग से बचने की अपील की है।

# पीलीभीत में एसबीआई का ऋण वितरण शिविर: राष्ट्र निर्माण में बैंक की विशेष भूमिका

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत/ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने राष्ट्र उत्थान और आर्थिक सशक्तिकरण में अपनी भूमिका को और मजबूत करते हुए गांधी स्टेडियम सभागार में एक




विशाल ऋण वितरण शिविर एवं ऋण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। शिविर में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बैंक के खाताधारक और ऋण लाभार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र कुमार ने दीप प्रज्वलन करके किया। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के तहत जनपद स्तर पर उपलब्ध अवसरों और गतिविधियों की जानकारी साझा की। उन्होंने एसबीआई द्वारा पीलीभीत की जनता को आर्थिक सहयोग देने में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना 'सीएम युवा' के अंतर्गत अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभ दिलाने का आह्वान किया।मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास और उपायुक्त उद्योग आशीष गुप्ता ने नारी सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर भारत को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।क्षेत्रीय प्रबंधक सोमेश प्रताप सिंह ने बैंक की डिजिटल पहल, टैब बैंकिंग जैसी सेवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान में एसबीआई की भूमिका को उजागर किया। इसके साथ ही उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता साझा की।जनपद समन्वयक एनआरएलएम वंदना सिंह ने सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण में एसबीआई द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की और अधिक महिलाओं को इन समूहों से जोड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी द्वारा लाभार्थियों को सीएम युवा और अन्य सरकारी योजनाओं के तहत ऋण राशि के चेक एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य प्रबंधक ज्ञानेन्द्र चैहान, मोहम्मद सलमान, अतिन अग्रवाल, अनुराग यादव, हृदेश राव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विनीत कुमार ने किया।

# पुलिस ने चार महीने पुराने कलाखेल चोरी कांड का सनसनीखेज खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश/कायमगंज (फर्रुखाबाद)ः कायमगंज कोतवाली पुलिस ने चार महीने पुराने %कलाखेल चोरी कांड% का सनसनीखेज खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए घोषित था। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के जेवर सोमवार रात प्रभारी निरीक्षक मदन मोहन चतुर्वेदी और के अहमदगंज रोड पर %बुढ़िया पुल% के पास संदिग्धों देखकर भागने लगे। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों पहचान निम्नलिखित रूप में हुई हैः सुनीलः पुत्र प्रेमचंद, पुत्र रामस्वरूप, निवासी उस्माननगर (थाना सिकंदरपुर किया कि 16 नवंबर को उन्होंने कलाखेल निवासी साथी कमलेश ने बनाई थी, जिसने दिन में रेकी कर घर के भाई फहमी को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया बंदूक लेकर फरार हो गए थे। दहशत फैलाने के लिए पुलिस के अनुसार, पकड़ा गया आरोपी सुनील एक हरदोई के अलग-अलग थानों में 26 संगीन मुकदमे




आरोपियों में से एक अपराधी पर 25 हजार रुपये का इनाम और नकदी बरामद की है। चेकिंग के दौरान धरे गए बदमाश- इंस्पेक्टर क्राइम सुरजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम तराई क्षेत्र की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो युवक पुलिस को को धर दबोचा। आरोपियों की पहचान पकड़े गए आरोपियों की निवासी हुल्लापुर (थाना अल्लाहगंज, शाहजहांपुर)। जयप्रकाशः वैस, कासगंज)। पूछताछ में कबूला जुर्म- आरोपियों ने स्वीकार शन्दू खां के घर चोरी की थी। वारदात की योजना उनके तीसरे खाली होने की सूचना दी थी। चोरी के दौरान बदमाशों ने शन्दू था और घर से जेवर, 35 हजार रुपये नगद व एक सिंगल बैरल बदमाशों ने हवाई फायरिंग भी की थी। अपराधिक इतिहास बेहद शातिर अपराधी है। उस पर फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर और दर्ज हैं। शमशाबाद पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। बरामदगी और आगे की कार्रवाई- पुलिस ने आरोपियों के पास सेः पीली धातु के कड़े और एक हार। कुल 2400 रुपये नगद बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस तीसरे फरार साथी कमलेश की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

# प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन कार्यक्रम आयोजित हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/पठारी - मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था ग्राम मथुरापुर शानवी मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा प्रस्फुटन समितियों का




क्षमतावर्धन प्रक्षिशण आयोजित किया गया द्य जिसमे मुख्य अथिति सरपंच एवं विधायक प्रतिनिधि अखिलेश पंथी, विशेष अथिति होशियार सिंह यादव रिटाईड शिक्षक,अन्य समाजसेवी लोग उपस्थित रहे द्य यह कार्यक्रम जिला सवन्वयक श्रीमती पूजा श्रीवास्तव जी , विकासखंड सवन्वयक श्री आशीष जैन जी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया द्य इस कार्यक्रम में उपस्थित पठारी सेक्टर की सभी प्रस्फुटन समितियों से अध्यक्ष, सचिव, सदस्य उपस्थित रहे द्य नवांकुर सखी, आंगनवाड़ी समस्त स्टाफ, समस्त ग्राम पंचयात स्टाफ, पत्रकार बन्दु, स्थानीय समाजसेवी लोग उपस्थित रहे द्य कार्यक्रम में सभी को समाजसेवी कार्यो के बारे में बताया गया, कार्य कौशलता, पर्यावरण, जल संरक्षण, शिक्षा, विद्यार्थी कैरियर मार्गदशन, सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार इत्यादि महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार पूर्वक अथितियों के द्वारा बताया गया द्य सभी का फूल मालाओं से स्वागत किया, सभी को चाय नाश्ता, प्रमाण पत्र, कोफ़ी पेड, पेन, दस्तावेज फोल्डर, अथितियों को स्पेशल कलम वितरण की गई द्य कार्यक्रम भव्य रहा उपस्थित लोगो ने तारीफ की हैं कार्यक्रम का मंच संचालन जीवन सिंह ने किया एवं आभार अंकेश कुमार ने किया द्य उपस्थित लोग चेतराम साहू, प्रदीप राजपूत, गुलाब बाई, रविशंकर, प्रीतम भदोरिया, शिवकांत, घनश्याम इत्यादि सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे द्य

# स्वच्छता शिक्षा अभियान ,70 विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षण व सामग्री किए गए वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । बरेली के विकास भवन सभागार में मंगलवार को 卐डिटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया卐 अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 70 विद्यालयों के अध्यापकों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता शिक्षा पर आधारित प्रशिक्षण दिया गया तथा स्वच्छता सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्लान इंडिया के जिला प्रमुख रंजीत सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस अभियान के तहत जनपद के लगभग 400 विद्यालयों में 卐डिटॉल स्कूल स्वच्छता शिक्षा कार्यक्रम卐 संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता, घर व स्कूल की साफ-सफाई, आस-पड़ोस की स्वच्छता और बीमारी के दौरान जरूरी सावधानियों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों को 卐परिवर्तन दूत卐 बनाना है, जिससे न केवल



बीमारियों में कमी आएगी बल्कि विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति भी बढ़ेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित परियोजना निदेशक श्री चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव एवं जिला विकास अधिकारी श्री दिनेश कुमार यादव ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।अंत में अतिथियों द्वारा सभी 70 विद्यालयों के शिक्षकों को स्वच्छता सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के समापन पर प्लान इंडिया व रेकिट की ओर से रंजीत सिंह ने अतिथियों को सम्मानित किया।

## संक्षिप्त समाचार

### नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले के बदरवास थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका के अपहरण एवं दुष्कर्म के गंभीर मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, 7 जनवरी 2026 को प्राप्त शिकायत के आधार पर थाना बदरवास में अपराध क्रमांक 08/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान 15 मार्च 2026 को अपहृत नाबालिग बालिका को महाराष्ट्र के नागापुर (अहिल्यानगर) से बरामद किया गया। इसके बाद 16 मार्च को बालिका के बयान दर्ज किए गए। बालिका के कथनों के आधार पर प्रकरण में धारा 87, 64 बीएनएस, 5 एल/6 पॉक्सो एक्ट तथा एससी/एसटी एक्ट की धाराएं बढ़ाई गईं। बालिका की काउंसलिंग बाल कल्याण समिति, शिवपुरी के समक्ष कराई गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में आरोपी की तलाश के लिए टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं अनुविभागीय अधिकारी (कोलारस) संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बदरवास निरीक्षक रोहित दुबे के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए आरोपी हेमंत पुत्र तोरण लोधी (26) निवासी हिमंतपुर, थाना पिछोर को 17 मार्च 2026 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट जारी होने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रोहित दुबे, उपनिरीक्षक शिखा तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक विवेक भट्ट, प्रधान आरक्षक गजेंद्र सिंह परिहार सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### धर्म की बहेगी बयार, भागवत कथा का शुभारंभ कल

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा। हिंदू नव वर्ष (गुड़ी पड़वा) एवं चैत्र नवरात्र के अवसर पर मुखर्जी नगर के सी सेक्टर में शिव पार्क के पास संगीतमय भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा हे। यह आयोजन सिद्ध श्री सिया राम आयोजन सेवा समिति के तत्वाधान में 19 मार्च से 25 मार्च के बीच सम्पन्न होगा। कथा की पूर्व बेला पर 18 मार्च को शंकर नगर मंदिर से शाम 4 बजे कलश यात्रा निकली जाएगी, जो कथा स्थल पहुंचकर सम्पन्न होगी। कथा का वाचन कथा व्यास पं. विशालकृष्ण %बिट्टू% महाराज प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक करेंगे। आयोजक गोलू चौधरी ने बताया कि इस कथा का उद्देश्य सभी सनातन बंधुओं को जागरुक कर धर्म से जोडऩा तथा लव जिहाद से बचने के लिए जागरुक करना है। सभी हिंदू भाई गुड़ी पड़वा पर ही अपना नव वर्ष मनाएं। नवरात्रि एवं अन्य हिंदू त्योहारों का सभ्यता से निर्वाह करें। आयोजन समिति के सुरेन्द्र कुशवाह पार्षद, प्रदीप शर्मा, विकी साहू तारण जी, रूपेश तिवारी, सचिन दुबे, विकी चौधरी, ऋतिक शर्मा, अंश शर्मा, अंशुल सक्सेना ने श्रद्धालुओं से कलश यात्रा एवं कथा में अधिक से अधिक संख्या शामिल होकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है। एवं उपरोक जानकारी बंगला घाट पुजारी हेमंत दुबे एवं अपूर्ण मंदिर उपदेश शास्त्री द्वारा दी गई है।

### मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ विदिशा जिला इकाई, के तत्वाधान में 18 मार्च को पत्रकार मनीष शर्मा पर हुई जानलेवा हमला को लेकर चर्चा और ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा जिला से समस्त पत्रकार साथियों से ज्ञापन में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रण विदिशा जिला में पत्रकारों के साथ हो रहा है अभद्र व्यवहार के विरोध में सभी पत्रकार साथी सम्मिलित होकर कलेक्टर एसपी के नाम ज्ञापन देने में सहभागीदार हो, एवं मध्य प्रदेश श्रमजीवी



पत्रकार संघ विदिशा जिला इकाई के साथी जिसमें समस्त सदस्य एवं पदाधिकारी, ब्लॉक, जिला, संभाग, के सभी साथी विशेष रूप से आमंत्रित है, जिले की बैठक आयोजन किया जा रहा हैं। बैठक मे संगठन की मजबूती के लिए मंथन, मध्यप्रदेश श्रम जीवी पत्रकार संघ विदिशा ब्लॉक इकाई की सर्वसम्मति घोषणा पर विचार विमर्श होना है एवं विदिशा जिला के समस्त ब्लॉकों में बैठक की तारीख तय होना। विदिशा में बैठक तारीखः- 18 मार्च 2026 समय ः- दोपहर 3 बजे स्थानः- न्यू कलेक्टर कार्यालय ईदगाह चौराहा विदिशा सभी सम्मानीय समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य साथियों की उपस्थिति अनिवार्य है मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के सभी साथियों से आग्रह तारीख और समय का विशेष ध्यान रखें निवेदक आयोजक विदिशा जिला इकाई आपके साथी विदिशा जिला अध्यक्ष हाकम सिंह रघुवंशी, कार्यकारी अध्यक्ष योगेश पंथी, महासचिव रुपेश आर्य, विदिशा जिला के समस्त पत्रकार साथियों को आमंत्रण ज्ञापन देने के लिए एकत्रित होना है

## मारपीट और एससी-एसटी (SC-ST) एक्ट के एक मामले में वांछित आरोपी शराब के नशे में धुत होकर अदालत में आत्मसमर्पण ( सरेंडर ) करने पहुंच गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद जिले की एक अदालत में सोमवार को एक हैरान कर देने वाला वाकया सामने आया। मारपीट और एससी-एसटी (स्ट्ट-स्ज्ञ) एक्ट के एक मामले में वांछित आरोपी शराब के नशे में धुत होकर अदालत में आत्मसमर्पण (सरेंडर) करने पहुंच गया। मामले का संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया और नशे की पुष्टि होने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। हवालात की पुलिस ने नशे में होने के कारण किया था वापस प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना राजेपुर क्षेत्र के गांव राजेपुर राठौरी का निवासी हिमांशु गुप्ता सोमवार को अदालत में आत्मसमर्पण करने आया था। विशेष न्यायाधीश (एससी-एसटी एक्ट) अभिनितम उपाध्याय की अदालत ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेजने का आदेश दिया। आदेश के बाद जब कोर्ट मोहर्रिर आरोपी हिमांशु को कचहरी परिसर स्थित हवालात में दाखिल करने के लिए पहुंचे, तो वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे अंदर लेने से इनकार कर दिया। पुलिसकर्मियों ने तर्क दिया कि आरोपी अत्यधिक शराब के नशे में है, इसलिए उसे वापस कर दिया गया। लोहिया अस्पताल में हुआ मेडिकल परीक्षण हवालात से वापस लौटाए जाने के बाद, इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी न्यायाधीश को दी गई। न्यायाधीश ने तुरंत कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी के स्वास्थ्य परीक्षण (मेडिकल) के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल लेकर गई। अस्पताल में हुई मेडिकल जांच में यह स्पष्ट हो गया कि आरोपी भारी नशे में था। जांच के दौरान उसके शरीर में 48 प्रतिशत अल्कोहल होने की आधिकारिक पुष्टि हुई। अदालत का फैसला और अगली सुनवाई मेडिकल रिपोर्ट अदालत में पेश की गई, जिसके आधार पर विशेष न्यायाधीश ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने का अंतिम आदेश दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है। अदालत ने अब इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 27 मार्च की तारीख निर्धारित की है।

# विधायक सुशील शाक्य ने अपने पिछले चार वर्षों के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फरूखाबाद उत्तर प्रदेश- फर्रुखाबाद/अमृतपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुशील शाक्य ने अपने पिछले चार वर्षों के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया है। दैनिक भास्कर के साथ एक विशेष साक्षात्कार में उन्होंने क्षेत्र में हुए सड़क, पुल और पर्यटन से जुड़े विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की और भविष्य की योजनाओं का खाका जनता के सामने रखा। मढ़ैयान घाट पुल सबसे बड़ी उपलब्धि- अपने कार्यकाल के सबसे बड़े काम का जिक्र करते हुए विधायक शाक्य ने मढ़ैयान घाट पर बने पुल को अपनी प्रमुख उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण से क्षेत्र की एक बड़ी आबादी को आवागमन में भारी राहत मिली है। इसके साथ ही नवाबगंज को %टाउन एरिया% घोषित कराना भी उनके कार्यकाल का एक अहम कदम रहा, जिससे वहां विकास कार्यों को नई गति मिली है। धार्मिक पर्यटन और सड़क चौड़ीकरण पर जोर- क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास को लेकर विधायक ने बताया कि बाबा नीम करौली धाम और संकिसा जैसे तीर्थ स्थलों तक पहुंच आसान बनाने के लिए नई सड़कें बनवाई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि भविष्य में नीम करौली धाम तक फोरलेन सड़क बनाने की योजना भी प्रस्तावित है। इसके अलावा, राजेपुर क्षेत्र में यातायात को सुगम करने के



लिए कई प्रमुख सड़कों को 7 मीटर तक चौड़ा किया गया है। अमृतपुर-फर्रुखाबाद के बीच पीपा पुल की तैयारी- अधूरे रह गए कार्यों के सवाल पर विधायक ने स्पष्ट किया कि अमृतपुर से फर्रुखाबाद के बीच गंगा नदी पर पीपा पुल बनवाने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। इस पुल के बनने से दोनों क्षेत्रों के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा और लोगों को लंबी दूरी तय करने से निजात मिलेगी। इसके अतिरिक्त, अमृतपुर तहसील को नगर पंचायत (टाउन एरिया) का दर्जा दिलाने के लिए भी इस कार्यकाल में पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। 卐कामकाज का मूल्यांकन जनता करेगी卐- आगामी चुनाव में टिकट की दावेदारी के सवाल पर उन्होंने खुद को पार्टी का एक निष्ठावान कार्यकर्ता बताया। उन्होंने कहा, 卐टिकट देना पार्टी शीर्ष नेतृत्व का निर्णय है, पार्टी जिसे भी योग्य समझेगी, उसे मौका देगी।卐 वहीं, अपने कामकाज को 10 में से नंबर देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कामकाज का मूल्यांकन करना और नंबर देना जनता का काम है, वह अपने क्षेत्र में हुए विकास कार्यों से पूरी तरह संतुष्ट हैं।

### बदायूं हत्याकांड में नया खुलासा कातिल के परिवार ने नागालैंड से बनवाए शस्त्र लाइसेंस, तीन सरकारी आवास भी नाम

बदायूं हत्याकांड में आरोपी अजय प्रताप के परिवार ने नागालैंड से शस्त्र लाइसेंस बनवाए थे। सरकारी जमीन कब्जाने से पेट नहीं भरा तो आरोपी ने अपने तीनों भाइयों के नाम से मुख्यमंत्री आवास योजना का भी लाभ ले लिया। बदायूं के एचपीसीएल प्लांट में दो अफसरों की हत्या के आरोपी अजय प्रताप सिंह के परिवार के पास जो भी शस्त्र लाइसेंस हैं वह जिले से नहीं बल्कि नागालैंड से बनवाए गए हैं। सूत्र बताते हैं कि बाद में लाइसेंस जिले में दर्ज करा लिए गए हैं। अब प्रशासन इन लाइसेंसों को निरस्त कराने की कवायद कर रहा है। हालांकि अब तक लाइसेंसों की संख्या व अन्य बातों की जानकारी प्रशासनिक स्तर पर सामने नहीं आ सकी है। हत्यारोपी समेत पूरे परिवार पर कई आपराधिक मामले मूसाझाग समेत अन्य थानों में भी दर्ज हैं। इसको लेकर जब जिले से इनके शस्त्र लाइसेंस नहीं बने तो नागालैंड में किरायेदार दिखाकर प्रक्रिया पूरी करने के बाद लाइसेंस बनवा लिए। बाद में जिले में यह लाइसेंस दर्ज करा लिए गए। स्थानीय पुलिस-प्रशासन ने इस मामले में सता की सरपरस्ती के चक्कर में आज तक हाथ नहीं डाला।अब जब अजय प्रताप सिंह ने सैजनी स्थित एचपीसीएल के दो अधिकारियों को उनके ही मीटिंग रूम में घुसकर 12 मार्च को गोली मारकर हत्या कर दी तो मामले निकलकर सामने आ रहे हैं। अब अपनी गर्दन बचाने के लिए पुलिस व प्रशासन ने लाइसेंस निरस्त करने की कवायद शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपी के परिवार के नाम दर्ज लाइसेंस निरस्त कर दिए जाएंगे।आरोपी समेत तीनों भाइयों के नाम हैं सरकारी आवास- सरकारी जमीन कब्जाने से पेट नहीं भरा तो आरोपी ने अपने तीनों भाइयों के नाम से मुख्यमंत्री आवास योजना का भी लाभ ले लिया। मौजूदा समय में हत्यारोपी अजय के ताऊ प्रधान हैं। ऐसे में उन्होंने अपने तीनों भतीजों को सरकारी आवास का लाभ भी दिला दिया है। तीनों भाइयों की पत्नियों के नाम आवास बने हुए हैं।पिस्टल लेकर क्षेत्र में हनक जमाता था आरोपी का भाई- आरोपी व उसका भाई दोनों ही एचपीसीएल प्लांट में नौकरी करते आ रहे थे। इसमें एक भाई सुरक्षा गार्ड भी था। क्षेत्र व गांव के लोगों ने बताया कि सुरक्षा गार्ड की नौकरी करने वाला आरोपी का भाई अपनी फेसबुक से लेकर किसी भी शादी समारोह में बिना पिस्टल लगाए नहीं जाता था।उसका एक फोटो सोशल साइड पर पिस्टल के साथ वायरल भी हो रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि उसके ऊपर किसी बड़े नेता का हाथ है, जिसकी बदौलत वह पूरे रुतबे में रहता आ रहा है। इसी दम पर उसने प्लांट में भी नौकरी पा ली थी।एसआईटी बदायूं पहुंची, कर्मचारियों के बयान दर्ज बदायूं के एचपीसीएल डबल मर्डर केस की जांच के लिए शासन की ओर से गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) सोमवार शाम बदायूं पहुंचा। मंडलायुक्त की अध्यक्षता में पहुंची टीम ने शाम पांच बजे एचपीसीएल प्लांट का दौरा कर घटनास्थल का मुआयना किया और वहां मौजूद कर्मचारियों व सुरक्षाकर्मियों के बयान दर्ज किए।टीम ने घटना से संबंधित रिकॉर्ड देखा और अधिकारियों से अब तक की कार्रवाई को लेकर पूछताछ की। इस टीम की रिपोर्ट के आधार पर ही घटनाक्रम में दोषी अन्य जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। मूसाझाग थाना क्षेत्र के अंतर्गत सैंजनी में बने इस प्लांट में उप महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता व सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा की 12 मार्च को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोपी प्लांट कर्मचारी अजय प्रताप सिंह खुद ही थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया था।घटना की जांच के लिए शासन स्तर से तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। इसमें बरेली मंडल के आयुक्त भूपेंद्र एस चौधरी, डीआईजी अजय कुमार साहनी व लखनऊ से अपर आयुक्त (खाद्य) कामता प्रसाद शामिल हैं। तीनों ही अधिकारियों ने प्लांट का निरीक्षण किया। स्थानीय कर्मचारियों से घटना के बारे में जानकारी ली। साथ ही सिक्योरिटी गार्डों से भी बात की गई।

# सांस्कृतिक विरासत का सम्मान: बनारस के सुर, लय और ताल के साधकों की परख, आठ कलाकारों को मिला संगीत नाटक सम्मान

काशी के गायन से लेकर शहनाई और दुक्कड़ व वायलिन सहित पांच विधा के आठ कलाकारों को संगीत नाटक सम्मान मिला। इसमें घराने के प्रख्यात कलाकार पं. राजन-साजन मिश्र की अगली पीढ़ी भी शामिल है।उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पिछले चार साल के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के नामित कलाकारों की घोषणा की हैं। इसमें काशी के विभिन्न विधाओं के आठ कलाकार हैं, जिन्हें यह सम्मान मिला। बनारस घराने के सिद्धहस्त कलाकारों की अगली पीढ़ियों को भी यह सम्मान मिला है। इसमें घराने के प्रख्यात कलाकार पं. राजन-साजन मिश्र की अगली पीढ़ी भी शामिल है।2024 = प्रो. राजेश शाह= सितार में बनारस और सेनिया घराने का किया नाम- बीएचयू के संगीत एवं मंच कला संकाय के वाद्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेश शाह को 2024 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला है। बनारस और जयपुर के सेनिया घराने के प्रख्यात सितार वादक प्रो. राजेश गायकी अंग के सितार वादक हैं। 33 साल से बीएचयू और वसंत महिला महाविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर के बाद प्रोफेसर हुए। नौ साल की उम्र से ही उन्होंने सितार सीखना शुरू किया था। महाराष्ट्र के जलगांव में जन्म लिए प्रो. राजेश ने महाराष्ट्र के पं. गोविंद के बाद बनारस घराने के पं. अमरनाथ मिश्र से सितार की शिक्षा ली। इसके बाद बीएचयू में प्रो. रामदास चक्रवती से सेनिया घराने की वादन शैली सीखी। उनके निर्देशन में 20 विद्यार्थियों ने शोध किया और अब देश के अन्य विश्वविद्यालयों में शिक्षण सेवा दे रहे हैं।2023 = डॉ. रामशंकर मिश्र= गुरु के जाने पर रामायण के छह कांडों को संगीत में पिरोया- शास्त्रीय संगीत के साधक डॉ. रामशंकर मिश्र बीएचयू के संगीत एवं मंच कला संकाय में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। उनको 2023 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला है। पं. रामाश्रय झा रामरंग के वरिष्ठ शिष्य डॉ. रामाशंकर ख्याल गायकी में पारंगत हैं। उन्होंने प्रयागराज विश्वविद्यालय के अलावा जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य के दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट में भी सेवा दी है। उनके गुरु द्वारा तैयार संगीत रामायण के बाकी बचे छह कांडों को डॉ. रामशंकर ने पूरा किया। इसकी प्रस्तुति मॉरीशस के रामायण सेंटर में दे चुके हैं।2021 = पं. जवाहर लाल= चौथी पीढ़ी के बने साधक, नाना से सीखी शहनाई- काशी के प्रसिद्ध शहनाई वादक पं. जवाहरलाल को 2021 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला है। उनकी चौथी पीढ़ी संगीत को आगे बढ़ा रही है। उनका कहना है कि आखिरकार सरकार ने कला की पहचान की और सम्मान दिया। पं. जवाहर लाल ने 14 साल की उम्र से ही शहनाई की साधना शुरू कर दी थी। नाना नंदलाल, पं. महादेव प्रसाद मिश्र, कन्हैयालाल से शहनाई की शिक्षा ली। वह शहनाई के गायकी अंग का वादन करते हैं। रामापुरा के शहनाई घराने के वादकों में एक जवाहरलाल विदेशों में मॉरीशस, श्रीलंका, नेपाल में भी शहनाई की धुन बिखेर चुके हैं। उनको सुर शृंगार अकादमी सम्मान, यूपी गौरव अलंकरण सम्मान, संगीत भास्कर अलंकरण सम्मान भी मिल चुका है।2024 = पं. मंगल प्रसाद= आठ साल में दुक्कड़ सीख बनाई पहचान- एक अलग तरह के वाद्ययंत्र दुक्कड़ के साधक पं. मंगल प्रसाद 76 साल के हैं। 60 साल से वह दुक्कड़ बजा रहे हैं। वह देश के नामचीन शहनाई वादकों के साथ संगत कर चुके हैं। पं. मंगल प्रसाद ने अपने पिता नान्हक राम से आठ वर्ष की उम्र से दुक्कड़ की शिक्षा ग्रहण की, जो अपने जमाने के प्रख्यात दुक्कड़ वादक थे। ठुमरी सम्राट पं. मंगल प्रसाद से भी दुक्कड़ वादन की बारीकियों के साथ लयकारी व ताल की शिक्षा ली। वह आकाशवाणी के ए ग्रेड के कलाकार हैं। वह तानसेन समारोह ग्वालियर, भोपाल गंगा महोत्सव, केरल, अहमदाबाद, जबलपुर, मुम्बई, कलकत्ता, भोपाल, दिल्ली, पुष्कर आदि शहरों में वादन कर चुके हैं। विदेशों में रूस, यूरोप और पुर्तगाल जैसे देशों में भी बजाए हैं। उन्हें कौस्तुभ कला रत्न सम्मान मिल चुका है।2021 = माला होम्बल= भरतनाट्यम को हिंदी और संस्कृत में पिरोकर दिया विस्तार- भरतनाट्यम कलाकार माला होम्बल का सफर कर्नाटक, मध्यप्रदेश होकर काशी पहुंचा और आज काशी उनकी कर्मभूमि बन गई है। बीएचयू में प्रोफेसर रहे उनके पति स्व. प्रेमचंद होम्बल भी भरतनाट्यम में ही सिद्धहस्त थे। उन्होंने अपना संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार अपने पति को समर्पित किया। माला होम्बल के सास-श्वसुर भी इसी विधा में पारंगत थे। उनकी चौथी पीढ़ी भी इसी क्षेत्र में है। माला ने भरतनाट्यम को हिंदी और संस्कृत में पिरोकर बंदिशों से विस्तार दिया। उन्होंने इस नृत्य के साहित्य के भाव के साथ आंगिक संचालन दोनों को एकाकार किया। उन्होंने अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में तुलसी दास की चौपाई का मिश्रण किया। वह सौ से अधिक बच्चों को इस विधा में दक्ष कर चुकी हैं।2024 = रितेश-रजनीश मिश्र= पिता पं. राजन और चाचा पं. साजन से सीखा गायन प्रख्यात शास्त्रीय गायक पद्मभूषण स्व. पं. राजन मिश्र के बेटे पं. रितेश-रजनीश मिश्र को भी 2024 के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला है। उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए इस सम्मान को अपने पिता को समर्पित किया है। मिश्र बंधुओं ने 35 साल से ख्याल गायकी में अपनी अलग पहचान बनाई है। अपने पिता और चाचा पद्मभूषण पं. साजन मिश्र से संगीत की शिक्षा ली। दोनों रेडियो और आकाशवाणी के ए ग्रेड के कलाकार हैं। उनको उस्ताद बिस्मिल्लाह खां, सुरमणि सम्मान मिल चुका है। यूरोप, यूएस सहित तमाम देशों में अपनी गायकी का जादू बिखेर चुके हैं।2024 = पं. सुखदेव मिश्र= 10 साल की उम्र में बच्चों के वायलिन से सीखकर बनाई पहचान- बनारस घराने के सधे वायलिन वादक पं. सुखदेव मिश्र को 2024 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। उन्होंने कहा कि सरकार ने कला साधना की परख की। अपनी सातवीं पीढ़ी के ध्वजवाहक पं. सुखदेव मिश्र ने बताया कि परिवार में संगीत का माहौल था। मैं 10 साल की उम्र से ही वायलिन वादन सीखने लगा था। शुरू में बच्चों वाले वायलिन से अभ्यास किया। क्योंकि बड़े वायलिन नहीं बजा पाते थे। फिर बड़े पिता पं. नारायण दस मिश्र, पिता पं. भगवानदास मिश्र एवं बड़े भाई पं. सोमनाथ मिश्र से सीखा। वह यूएसएस, यूरोपीय देशों में बजा चुके हैं।



### संक्षिप्त समाचार

## गंगा में नाव पर इफ्तार पार्टी करना पड़ा भारी, पुलिस ने 14 युवकों को हिरासत में लिया

वाराणसी जिले में गंगा में नाव पर इफ्तार पार्टी करना कुछ युवकों को महंगा पड़ गया। इफ्तारी में चिकन बिरयानी खाने और अवशेष गंगा में फेंकने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मामले में पुलिस ने 14 लोगों को हिरासत में लिया है।काशी में गंगा नदी के बीच नाव पर इफ्तार पार्टी कर चिकन बिरयानी खाने और अवशेष गंगा में फेंकने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले में 14 युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। सभी के खिलाफ कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने तहरीर में आरोप लगाया था कि मुस्लिम समुदाय के कुछ युवकों ने गंगा में नाव पर बैठकर इफ्तार के दौरान बिरयानी खाई और बचा हुआ हिस्सा गंगा में फेंक दिया। इस कृत्य से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।तहरीर के साथ घटना का वीडियो भी साक्ष्य के रूप में उपलब्ध कराया गया है। उनका आरोप है कि इस घटना से आम जनमानस में आक्रोश है। ये जानबूझकर हिंदू भावनाओं को आहत करने की मंशा से किया गया। इसके अलावा उक्त नाव चालक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए और लाइसेंस को निरस्त किया गया। भविष्य में घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। थाना प्रभारी दयाशंकर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले में 14 युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

## अस्पताल में भर्ती मरीज को मारी गोली, घायल युवक की उपचार के दौरान मौत, पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी

अलीगढ़ के अस्पताल में भर्ती मरीज को हमलावरों ने गोली मार दी। गंभीर घायल को जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया।अलीगढ़ के क्वार्सी थाना अंतर्गत मैरिस रोड स्थित रेनुका हॉस्पिटल में भर्ती 32 वर्षीय मरीज वेदपाल को 16 मार्च को दो हमलावरों ने गोली मार दी थी। गंभीर घायल वेदपाल को मरणासन्न अवस्था में जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। 17 मार्च को वेदपाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया। मृतक वेदपाल खैर क्षेत्र के गांव अहरौला के रहने वाले थे। करीब डेढ़ माह पहले मारपीट में उनके सीधे हाथ में चोट लगी थी। चोट सही न होने पर डॉक्टरों ने हाथ में फ्रैक्चर बताते हुए ऑपरेशन कराने की सलाह दी। 16 मार्च सुबह वेदपाल अपने चचेरे भाई गणेश और एक रिश्तेदार के साथ रेनुका हॉस्पिटल पहुंचे। वहां भर्ती करने के बाद वेदपाल का ऑपरेशन कर दिया गया।रात करीब 10 बजे वेदपाल का चचेरा भाई गणेश कमरे के बाहर पड़ी बेंच पर जाकर सो गया और रिश्तेदार टहलने के लिए अस्पताल के नीचे चला गया। इसी बीच दो हमलावर वेदपाल के कमरे में पहुंचे और पहुंचते ही सीधे माथे से सटा कर गोली मार दी। कमरे में भर्ती दूसरे मरीज के शोर मचाने और गोली आवाज पर अस्पताल स्टाफ के अलावा डॉ. पराग शेखर भी मौके पर आ गए। उन्होंने हमलावरों का गली के बाहर तक पीछा भी किया। गंभीर घायल वेदपाल को जेएन मेडिकल में भर्ती कराया। जहां उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई।मथुरा की युवती के भाइयों ने मारी गोली - 16 मार्च देर रात एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे सामने आया है कि वेदपाल के मथुरा के गोविंद नगर की एक युवती से सम्बंध थे। उसके पिता व दो भाई पुलिस में हैं। वह लोग इस रिश्ते के खिलाफ थे। 3 फरवरी को युवती की शादी तय थी। वहां पहुंच कर वेदपाल ने विवाद किया था। तब उसे पीटा गया। बाद में 15 दिन वह मथुरा जेल भी रहा। उसी पिटाई में इसके चोट आई थी। वहां से छूटकर आने के बाद युवती का परिवार वेदपाल को धमकी दे रहा था। एक बार इसके घर तक वो लोग आए थे। इस बात की रिकार्डिंग भी मोबाइल में मिली हैं, जिसमें युवक को जान से मारने की धमकी दी गई थी।हालांकि युवती की शादी हो गई। मगर वह लोग खुन्नस पाले थे। आज युवती के एक भाई व उसकी लोकेशन भी घटना के समय अलीगढ़ की आई है। बाइक सीसीटीवी में कैद मिली है। परिवार ने भी युवती परिवार पर आरोप लगाया है। उसी में मामला दर्ज कर एक टीम को गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है।

# Desi ghee or mustard oil: Which option is best for heart health? Doctors explain

**Both desi ghee and mustard oil have traditionally been used in Indian kitchens. Cook food with mustard oil and use desi ghee only on dal and roti. Use less oil and ghee throughout the day and avoid processed foods. Simply essential. Both desi ghee and mustard but when it comes to heart health, there's Some consider ghee harmful to the heart, address this confusion, Dr. L.K. Jha, Asian Hospital, shares some important for your heart health. Desi ghee and for centuries, but when it comes to our to choose for cooking. Some consider treasure trove of health. To clear this Cardiology Department at Asian understand in simple terms which is healthy fats: Mustard oil contains which are very beneficial for the heart. present in this oil help reduce on cholesterol: Mustard oil is very good cholesterol in your body. Research oil reduces the risk of heart disease. How**

**changing the oil won't suffice; daily exercise is also oil have been crucial in Indian kitchens for centuries, often confusion about which one to choose for cooking. while others consider it a treasure trove of health. To Associate Director of the Cardiology Department at tips. Let's understand in simple terms which is better mustard oil have both been crucial in Indian kitchens heart health, there's often confusion about which one ghee to be harmful to the heart, while others call it a confusion, Dr. L.K. Jha, Associate Director of the Hospital, has shared some important points. Let's better for your heart health. A treasure trove of monounsaturated and polyunsaturated fatty acids, Omega-3 and Omega-6: Both of these fatty acids inflammation and improve blood circulation. Effect helpful in reducing bad cholesterol and maintaining also shows that using unsaturated fats like mustard to use both correctly? Experts say you don't need to completely eliminate ghee. You just need to know how to use both in your kitchen in a balanced and judicious manner: For cooking: Use mustard oil for your daily vegetable or cooking. For flavor and nutrition: A little desi ghee can be drizzled over cooked lentils, rotis, or khichdi. Fat control: Limit the total amount of oil or ghee you consume throughout the day. Avoid: Avoid deep-fried and packaged foods. Changing oil alone isn't enough - Doctors clearly state that heart health isn't determined by just one thing. Even if you change your oil but your lifestyle remains unhealthy, heart disease can still occur. To maintain a healthy heart in the long run, keep these things in mind: Eat a balanced and nutritious diet. Exercise regularly. Keep your weight under control. Get good sleep and don't let stress get the better of you. Overall, mustard oil is more beneficial for a healthy heart, but consuming ghee in moderation and with an active lifestyle is also perfectly safe.**

# You'll forget sweets when you try this tasty Sabudana Fruit Custard during your Navratri fast; the recipe is simple.

**Navratri begins on March 19, 2026, and during this summer, we often crave something sweet and cold. People usually make Sabudana Kheer, Tikki, or Khichdi during their fasts. But if you're bored of eating the same Today, we bring you a very easy will not only keep you away energy, but its taste is so creamy sweets. The most important the market contains 'cornflour' recipe, we will not use any sago will make it absolutely Custard Sabudana: 1/2 cup Sugar: 4-5 tbsp (add more or fruits: 1 to 1.5 cups (apple, chopped) Dry fruits: 2 tbsp Method of making Sabudana two-three times with water. the sago) for about 2 to 3 hours. or pan and bring it to a boil the soaked sago. Reduce the You will notice that the sago will thicken to a creamy custard-**

**thing day after day, try something new and refreshing. and delicious recipe for Sabudana Fruit Custard. It from the fatigue of the day and provide you with ample and delicious that you'll forget about commercial thing is that the common custard powder available in which is not eaten during fasting, but in our special powder to get the consistency of custard, rather only creamy. Ingredients for making Sabudana Fruit (fine or medium) Full cream milk: 1/2 litre (half litre) less as per your taste) Cardamom powder: 1/2 tsp Fresh banana, pomegranate seeds and grapes - finely (cashews, almonds and pistachios - finely chopped) Fruit Custard - First of all, wash the sago thoroughly After this, soak it in a little water (enough to submerge Now, pour full-cream milk into a heavy-bottomed pot over medium heat. Once the milk reaches a boil, add heat and cook for 10 to 15 minutes, stirring constantly. become completely translucent and the milk will like consistency. Once the milk has thickened, add sugar and cardamom powder. Cook for 2 more minutes until the sugar dissolves, then turn off the heat. Now, let this sago mixture cool completely. Once it reaches room temperature, refrigerate it for 1-2 hours to further thicken and chill. After removing from the refrigerator, add your favorite chopped fresh fruits and dried fruits. (Be careful not to add citrus fruits like oranges, as the milk may curdle.) Then, your delicious and nutritious Sabudana Fruit Custard is ready. Serve it in chilled bowls and enjoy a wonderful dessert even during your fast.**

# Missing chaat and pakoras during your fast? Try these 2 fruit-based recipes this Chaitra Navratri.

**The holy days of Chaitra Navratri begin on Thursday, March 19, 2026. People often get bored of eating the same food during fasting. You don't need to compromise on taste during Navratri. We've brought you two easy and delicious of devotion and faith, but that doesn't mean you have to traditional dishes like sago or buckwheat for days on end. provide energy throughout the day, and have a vibrant, you also want to bring something new in your fasting plate, Fasting Food). 1) Crunchy Rajgira Bhel: If you get to eat Rajgira Bhel will not only give you energy, but you will base of this bhel, you will need two cups of puffed Rajgira, almonds. To enhance the flavor, prepare 10-12 curry leaves chopped dry coconut, rock salt to taste, one teaspoon of this bhel with fresh vegetables, also have a finely chopped teaspoon of lemon juice ready. Easy way to prepare: First,**

**recipes. Fasting holds special significance during this nine-day festival compromise on your taste. Yes, we often get bored of eating the same In such a situation, we crave fruit-based meals that are quick to prepare, irresistible flavor. This Chaitra Navratri (Chaitra Navratri 2026), if then we have brought for you two very wonderful recipes (Navratri spicy bhel like street food during the fast, then it would be fun! This also like its crispness very much. What all is needed? - To make the half a cup of peanuts, and a quarter cup of chopped cashews and (if you're fasting), two teaspoons of raisins, two teaspoons of finely red chili powder, and one teaspoon of pure ghee. If you want to make tomato, a cucumber, a small carrot, a little coriander, and half a place a pan on the stove and melt ghee in it. Once the ghee is hot, add the curry leaves. Now add the peanuts and fry them well on medium flame for about three to four minutes. Once the peanuts are slightly toasted, add the cashews and almonds and stir for two more minutes. Then, reduce the heat to low. Add the dry coconut and raisins and fry for just 30 seconds. Finally, add the puffed Rajgira, red chili powder, and rock salt to the pan. Stir and fry everything thoroughly for a minute or two. Turn off the stove and let it cool completely. You can store this dry bhel in an airtight container for a long time. Whenever you feel hungry, take out this dry bhel in a bowl and add chopped carrots, cucumber, tomato, green coriander and a little lemon juice. Your fresh and crunchy veggie bhel is ready. 2) Paneer-Lauki Cheela: If you want something filling and energizing during your fast, this cheela is the perfect option. What do you need? To make it, take 200 grams of paneer and half a bottle gourd. You will need a quarter cup of buckwheat flour for binding. Spices include half a teaspoon of roasted cumin powder, half a teaspoon of black pepper powder, one or two finely chopped green chilies, a quarter cup of fresh coriander leaves, and rock salt. Keep ghee for frying the cheela and water for making the batter. Easy way to make it: Take a large vessel and grate the paneer along with the bottle gourd. Now, add buckwheat flour, chopped green chilies, coriander leaves, and all the spices (rock salt, black pepper, and roasted cumin) to the same pot. Add water little by little to form a thick batter. Be sure the batter isn't too thin. Place a non-stick pan or tawa on the stove and grease it with a little ghee. Pour a tablespoon of the batter onto the pan and gently spread it into a circular shape. Let it cook over medium heat for 3 to 4 minutes. When the bottom is golden and crispy, carefully flip it over. Cook the other side thoroughly. Once done, your hot and soft cheela is ready. Enjoy it with fresh yogurt or coriander chutney.**

# Armaan Malik raises questions about Nora Fatehi and Sanjay Dutt's song "Sarke Chunar," angered by the "double meaning" lyrics.

**Singer Armaan Malik recently expressed his anger over the double meaning lyrics and choreography of Nora Fatehi and Sanjay Dutt's song "Sarke Chunar Teri Sarke." Singer Armaan Malik, enraged after listening to "How low will you stoop to make "Sarke Chunar Sarke" have media. Fans are expressing their meaning" lyrics used in the song. Armaan Malik also reacted to his strong displeasure over the pursuit of commercial songs. commercial songs plummeting so shared a post on his official X came across my timeline, and I correctly, so I listened to it again. people are going to in order to When a fan asked the singer who Armaan replied, "I'm truly at a even heard it." Social media censor board - Armaan Malik controversial lyrics. The censor from the general public over how angrily wrote, "How can the double-meaning, vulgar, and song?" Another user wrote, insult to Indian women. You have women." The song "Sarke in a dance bar, featuring Nora dancers. The way the song's lyrics were written and choreographed is sparking controversy on social media.**

**Nora Fatehi's new song, said, a song a hit?" The lyrics of caused quite a stir on social anger over the "double Recently, renowned singer the controversy and expressed standards falling so low in the "It's sad to see the standards of much," singer Armaan Malik account, writing, "This song had to make sure I heard it It's very sad to see the stoop make commercial songs a hit." approved such vulgar lyrics, loss for words. I wish I hadn't users' anger erupted at the isn't alone in reacting to these board has also sparked outrage the song was approved. One user Censor Board approve such a sexually suggestive Nora Fatehi "You call this dance? This is an crossed all limits by objectifying Chunar Teri Sarke" was filmed Fatehi and several background**

# Sidharth Malhotra seeks Karan Johar's support for a 'relationship drama'; a big announcement coming soon?

**Sidharth Malhotra and Karan Johar have had a long association. After two consecutive flops, he is now coming up with a film based on a 'relationship drama'. Sidharth Malhotra will star in a relationship drama with Karan Johar. 'Param Sundari' and 'Yoddha' performed Malhotra, who entered the acting world with has once again sought refuge in his mentor. with Karan Johar. Together, they have 'Brothers', 'Kapoor & Sons', 'Bar Bar Sidharth Malhotra is now set to begin work Meeting held regarding the relationship and Sidharth Malhotra have worked Although Sidharth's last film, "Yodha," Karan Johar remains unshaken. According correspondent, news has emerged from the star in another film under Karan Johar's Karan about a relationship drama. Karan project last year, and the actor has fully prepared to sign this film and the talks director of 'Gunjan Saxena' will take charge hands of 'Gunjan Saxena: The Kargil Girl'**

**Sidharth will also romance Tamannaah Bhatia. poorly at the box office. Actor Sidharth Karan Johar's 'Student of the Year' in 2012, Sidharth Malhotra has had a long association worked on films like 'Hasee Toh Phasee', Dekho', 'Ittefaq', 'Shershaah', and 'Yoddha'. on a relationship drama film with Karan Johar. drama film - Almost all the films Karan Johar together have performed well at the box office. flopped at the box office, his faith in his mentor to a media report by a Mumbai entertainment film industry that Sidharth Malhotra is set to production banner. Sidharth is in talks with initiated discussions with Sidharth about the expressed strong interest. Now Siddharth is between the two are in the final stages. The - The direction of this new film will be in the director Sharan Sharma. If everything goes well, the shooting of the film can start in the second half of this year. Apart from this, Siddharth will be seen in the upcoming film 'VVAN: Force of the Forest' with actress Tamanna Bhatia. This film is planned to be released in theatres on 15th May. The director of 'Gunjan Saxena' will take charge - The direction of this new film will be in the hands of 'Gunjan Saxena: The Kargil Girl' director Sharan Sharma. If all goes well, shooting for the film could begin in the second half of this year. Sidharth will also be seen in the upcoming film "VVAN: Force of the Forest" alongside actress Tamannaah Bhatia. The film is scheduled to release in theaters on May 15th.**

# "It's shameful," Dharmendra wasn't remembered at the Oscars, Hema Malini expressed her anger, Esha also reacted.

**After fans, his wife Hema Malini and daughter Esha Deol have now reacted to the lack of a tribute to Dharmendra in the "In Memoriam" segment at the 2026 Oscars. Dharmendra wasn't remembered live at the Oscars "In moment "utterly shameful." Esha Deol memorial service. Bollywood veteran last year at the age of 89. In February of remembered in the "In Memoriam" Awards (BAFTA). Given Dharmendra's hopeful that he would be honored in the Oscars. However, this did not happen Dharmendra was not mentioned in the their displeasure on social media. Now, his have also reacted to Dharmendra's name Memoriam' segment of the Oscars. Hema ignored In an exclusive conversation with expressed her disappointment over tribute at the Oscars. She said, "It's overlooked a legendary actor who means world. Dharamji is universally recognized. lifetime. So why would he care about an love we've received in our country. Awards performances in the films 'Laal Patthar' award for them." "It never affected Malini, his daughter Esha Deol spoke to tribute at the 2026 Oscars. He had said, "I**

**Memoriam." Hema Malini called the also reacted to the lack of a father's Dharmendra passed away in November this year, the "Sholay" actor was segment of the 79th British Academy Film worldwide fan following, fans were "In Memoriam" segment of the 2026 during the live telecast. When 98th Academy Awards, fans expressed wife Hema Malini and daughter Esha Deol not being mentioned in the main 'In Malini upset over Dharmendra being 'Bollywood Hungama', Hema Malini husband Dharmendra not being paid shameful. It's truly sad that the Oscars so much to countless people around the He didn't receive many awards in his Oscar? We're both very happy with the have always eluded us. I gave my best and 'Meera,' but I never received an Papa," said Esha Deol. Before Hema Variety about her father not receiving a don't think any of this would have ever affected Papa. His heart was bigger than any of this. For him, life was never about status and prestige, but rather about love, kindness, and the people he loved." The "In Memoriam" segment of the Oscars 2026 paid tribute to Rob Reiner, Diane Keaton, and Robert Redford, among other Hollywood stars who passed away last year. The tribute was about 15 minutes longer than in previous years. Despite the length of time, Dharmendra's name wasn't mentioned on the TV broadcast, leaving his adoring fans, both Indian and foreign, heartbroken.**